वैशाख शुक्ल पक्ष- 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 292 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

28 अप्रैल 2026 मंगलवार

आज का मौसम

43.0 अधिकतम

26.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दीवार पर साफ लिखी इबारत को नहीं बदल सकते डोनाल्ड ट्रम्प!

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक और सौदेबाजी आधारित विदेश नीति को ईरान ने पलीता लगा दिया है। ईरान के संदर्भ में उनकी रणनीति अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखती है, जहां ताकत के प्रदर्शन के बावजूद परिणाम सीमित हैं। ट्रम्प के उस दावे की ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अघराची ने यह कहकर हवा निकाल दी है कि अब जो भी सुलह की बात करनी होगी ईरान करेगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात से पुलकित अघराची ने कहा है कि ट्रम्प अब ईरान से बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहे रहे हैं ।

तस्वीर यही उभर रही है कि अमेरिका के अरबों डॉलर के सैन्य और रणनीतिक दबाव के बावजूद ईरान न केवल डटा हुआ है, बल्कि उसने अपने सबसे अहम भू-राजनीतिक हथियार स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को एक प्रभावी 'चोक पॉइंट' की तरह इस्तेमाल कर संतुलन बना रखा है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल आपूर्ति का रास्ता यही है, और यहीं से अमेरिका की रणनीति को सबसे बड़ा अवरोध मिलता है।

सीजफायर जैसी स्थिति के बावजूद हॉर्मुज़ के दोनों छोर पर अमेरिकी नौसेना की तैनाती हर दिन भारी आर्थिक बोझ बन रही है। यह एक ऐसी 'नो-विन सिचुएशन' बनती जा रही है जहां न पूरी तरह पीछे हटना आसान है और न निर्णायक सैन्य कार्रवाई करना। ईरान के ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण, शासन परिवर्तन, और क्षेत्रीय सैन्य वर्चस्व के ट्रम्प प्रशासन के संभावित लक्ष्य व्यावहारिक धरातल पर कई बाधाओं से घिरे हैं। पहला, ईरान की भौगोलिक जटिलता और उसकी 'असिमेट्रिक वॉरफेयर' क्षमता। दूसरा, चीन और रूस जैसे देशों का अप्रत्यक्ष समर्थन, जो किसी भी प्रत्यक्ष अमेरिकी हस्तक्षेप को वैश्विक टकराव में बदल सकता है। ईरान के खार्ग द्वीप और अन्य सामरिक ठिकानों पर कब्जा जमाना सिर्फ सैन्य ऑपरेशन नहीं, बल्कि बहुस्तरीय जोखिम का खेल है, जहां समुद्री युद्ध, मिसाइल खतरे और क्षेत्रीय अस्थिरता एक साथ सक्रिय हो सकते हैं। इसी के चलते अघराची ने सेंट पीट्सबर्ग में पुतिन से उच्च स्तरीय वार्ता के बाद कहा कि अमेरिका ने ईरान पर जिन मंसूबों के साथ हमला बोला था , उसमें से एक भी पूरा नहीं हो सका और न आगे होगा। अघराची का यह तंज भी ट्रम्प के लिए बेहद चुभन से भरा है कि अमेरिका के इस युद्ध के बहाने ही सही दुनिया को ईरान की वास्तविक ताकत का अंदाजा हो गया है ।

दुविधा से घिरे पर समाधान बस में नहीं

ईरान को रूस के समर्थन के साथ ही चीन की 'बेल्ट एंड रोड' जैसी परियोजनाएं भी ट्रम्प को खुली चुनौती दे रही हैं । चीन का रेल कॉरिडोर ईरान होते हुए मध्य-पूर्व को यूरोप और अफ्रीका से जोड़ने का मकसद लिए हुए है । यह पूरे समीकरण को और जटिल बना देता है । चीन के बेल्ट और रोड नेटवर्क की कवायद में ईरान एक अहम कड़ी है, जिसे नजरअंदाज करना किसी भी शक्ति के लिए आसान नहीं। अमेरिका की दुविधा साफ है । यदि वह आगे बढ़ता है तो व्यापक युद्ध का खतरा, और यदि पीछे हटता है तो वैश्विक नेतृत्व की छवि पर असर। ऐसे में ट्रम्प की 'मैक्सिमम प्रेशर' नीति अब अपने ही दायरे में सिमटती दिख रही है। असल सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्या कर सकता है, बल्कि यह है कि वह क्या करने की स्थिति में है। और यहीं 'दीवार पर लिखी इबारत' साफ झलक रही है। वह यही है कि सिर्फ सैन्य शक्ति से हर भू-राजनीतिक समस्या का समाधान संभव नहीं। जमीनी धरातल पर ट्रम्प के लिए यह शेर मौजूं है - ये इश्क नहीं आसां इतना ही समझ लीजे, इक आग का दरिया है और डूब के जाना है। उनकी दिक्कत यही है कि वे दीवार पर लिखी इबारत को पढ़ तो रहे हैं पर इसे बदल पाने की स्थिति में नहीं हैं।

पंजाब-राजस्थान, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

इंडोनेशिया में रेल हादसा, मृतकों का आंकड़ा 14 पहुंचा

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के बाहरी इलाके में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। अधिकारियों ने आज सुबह इसकी पुष्टि की। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। सरकारी रेलवे कंपनी पीटी केरेटा एपी इंडोनेशिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबी रसीदिन ने बताया कि अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। सभी शवों को पहचान और अन्य औपचारिकताओं के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

बैंक ने मांगा डेथ सर्टिफिकेट कब्र से कंकाल निकाल लाया

क्योंझर। ओडिशा के क्योंझर जिले से एक बेहद हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। यहां एक भाई ने अपनी मृत बहन के बैंक खाते से पैसे निकालने के लिए ऐसा कदम उठाया, जिसकी शायद ही किसी ने कल्पना की होगी। एक शख्स को अपनी मृत बहन के अकाउंट से पैसे निकालने थे। जब बैंक ने डेथ सर्टिफिकेट मांगा तो शख्स कब्र से बहन का कंकाल निकाल लाया। इस घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

बेंगलुरु में आग से बचने चौथी मंजिल से कूदी युवतियां

बेंगलुरु। यहां एक पीजी में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते यह पूरी बिल्डिंग में फैल गई और फिर युवतियों को अपनी जान बचाने के लिए 4 मंजिला इमारत से नीचे कूदना पड़ा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में आग लगने के बाद मची अफरा-तफरी और दहशत देखी जा सकती है। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद जब युवतियों को जान बचाने का कोई दूसरा मौका नहीं दिखा, तो उन्होंने बिल्डिंग से छलांग लगा दी। अधिकारियों के मुताबिक, आग सबसे पहले ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक एलईडी बैनर की दुकान में लगी। इसके बाद वह तेजी से फैलती गई। बगल में ही पीजी की बिल्डिंग थी। कुछ ही मिनट में आग ने पूरी इमारत को अपने चपेट में ले लिया।

पेज 4 पर आज पढ़िए वरिष्ठ पत्रकार लेखक एवं कवि सुधीर सक्सेना का आलेख

किस्सा सन 1854 की पेरी संधि का...

क्या धौंस अमेरिका की रगों में है?

आज का कार्टून

स्थापना की गोल्डन जुबली... 4,000 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात

पीएम मोदी बोले - पूर्वी भारत का स्वर्ग है हमारा सिक्किम, यहां का रुख करें सैलानी

गंगटोक, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिक्किम में 4,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने सिक्किम को पूर्वी भारत का स्वर्ग बताते हुए प्रकृति प्रेमी पर्यटकों से राज्य के ऑर्किडेरियम का भ्रमण करने का आग्रह किया। गंगटोक में संबोधन के दौरान पीएम ने कहा कि सिक्किम एक भारत श्रेष्ठ भारत का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिक्किम की स्वच्छ सड़कें और शुद्ध हवा इस बात का प्रमाण हैं कि यहां के लोग प्रकृति संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और सरकार का मुख्य फोकस यहां कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना है।

पीएम ने कहा कि जब देश में राजनीतिक स्वार्थ के चलते भाषावाद, प्रांतवाद, ऊंच-नीच और भेदभाव की लगातार कोशिश हो रही है। तब आज सिक्किम ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का दर्शन करा दिए। सिक्किम राज्य बनने के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर राज्य में भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर सिक्किम के लिए बेहद खास माना जा रहा है, जहां विकास और उत्सव दोनों का संगम देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने करीब 4,000 करोड़ रु की विकास परियोजनाओं की सौगात दी जो विभिन्न क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते दिखाई दिए

इससे पहले पीएम मोदी सुबह युवाओं के बीच पहुंचे और उनके साथ फुटबॉल खेलते दिखाई दिए। पीएम ने इस खास पल को सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि गंगटोक की सुबह युवाओं के साथ फुटबॉल खेलना एक बेहद ऊर्जा देने वाला अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ खेलते हुए उन्हें नई ऊर्जा और सकारात्मकता का एहसास हुआ।

जैव विविधता का प्रतीक ऑर्किडेरियम

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री स्वर्णजयंती ने मैत्री मंजरी पार्क स्थित ऑर्किडेरियम का दौरा किया । यह पार्क एक विश्वस्तरीय ऑर्किड अनुभव केंद्र के रूप में विकसित किया गया है, जिसे सिक्किम की प्राकृतिक खूबसूरती और जैव विविधता का प्रतीक माना जा रहा है। राज्य की जैव-विविधता और पुष्पीय विरासत को प्रदर्शित करने के लिए स्वर्णजयंती मैत्री मंजरी पार्क को एक आधुनिक ऑर्किड अनुभव केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। मोदी ने पर्यटन प्रेमियों से आग्रह किया कि वे यहां जरूर आएं उन्हें अद्भुत आनंद की अनुभूति होगी।

दाऊद का करीबी डोला भारत लाया गया

नई दिल्ली। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। कुख्यात ड्रग तस्कर और भगोड़े आतंकी दाऊद इब्राहिम के करीबी सलीम डोला को बीते दिनों तुर्किये के इस्तांबुल में गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद अब उसे भारत को प्रत्यर्पित कर दिया गया है। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन के बाद हुई है। आज तड़के एक विशेष विमान से उसे दिल्ली एयरपोर्ट लाया गया, जहां भारतीय खुफिया एजेंसियों ने उसे हिरासत में लिया। अब उससे दिल्ली में पूछताछ की जा रही है और आगे की जांच के लिए उसे मुंबई स्थित नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को सौंपा जाएगा। सलीम डोला के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जो भारत की एजेंसियों के अनुरोध पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने जारी करवाया था। जांच एजेंसियों के मुताबिक, डोला एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हिस्सा था, जिसका कारोबार लगभग 5000 करोड़ रुपये तक फैला हुआ था। यह नेटवर्क नशे के पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार से जुड़ा हुआ था।

जस्टिस को लिखा पत्र... न्याय की उम्मीद नहीं

मनीष सिसोदिया भी केजरीवाल की राह पर स्वर्णकांता की कोर्ट में जिरह से इनकार

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बाद मनीष सिसोदिया ने भी न्यायमूर्ति स्वर्णकांता को चिट्ठी लिखकर आबकारी मामले में सीबीआई की अपील याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। सिसोदिया ने लिखा है कि उनकी तरफ से भी कोई वकील पेश नहीं होगा। मनीष सिसोदिया ने कहा है कि न्यायमूर्ति शर्मा के बच्चों का भविष्य सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता के हाथों में है। ऐसे में मुझे न्याय की उम्मीद नहीं है। सिसोदिया ने कहा कि सत्याग्रह के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है।

पक्षपात का आरोप: मनीष सिसोदिया ने अपने पत्र में कहा कि जस्टिस शर्मा के बच्चों का नाम सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के पैनल में है, जो केंद्र सरकार की ओर से इस मामले में पेश हो रहे हैं। सिसोदिया ने लिखा, 'आपके बच्चों का भविष्य तुषार मेहता के हाथ में है, इसलिए मुझे इस अदालत से न्याय की कोई उम्मीद नहीं है।' उन्होंने इसे सत्याग्रह का रास्ता बताया। इससे पहले अरविंद केजरीवाल इस कोर्ट में अपना पक्ष रखने से इनकार कर चुके हैं।

आज चार जिलों में लू के अलर्ट के बीच आंधी-बारिश के भी आसार

खजुराहो में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा, तापमान 46 पार, भीषण गर्मी की चपेट में पूरा प्रदेश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। टूरिस्ट स्पॉट खजुराहो में सोमवार को पारा 46 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो 10 साल में सबसे ज्यादा है। छतरपुर जिले का ही नौगांव दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। मौसम विभाग ने आज 4 जिलों में लू (हीटवेव) और 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम केंद्र भोपाल ने 1 मई तक प्रदेश में तेज गर्मी के बीच बारिश की चेतावनी जारी की है। ऐसा साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ के सक्रिय होने की वजह से होगा। हालांकि, 29 अप्रैल से हीट वेव यानी लू से कुछ राहत मिलने की संभावना है। मंगलवार को जिन जिलों में लू का अलर्ट है, उनमें छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। वहीं ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में गरज-चमक और आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है।

पेज 2 भी देखें

मेट्रो एंकर

उन गरीब कैदियों की आवाज बनाने की चाहत, जिन्हें कानूनी मदद नहीं मिल पाती

राजीव हत्याकांड में 31 साल जेल, अब हाईकोर्ट वकील बने पेरारीवलन

चेन्नई, एजेंसी

राजीव गांधी हत्याकांड में 31 साल जेल में रहे और फांसी की सजा तक पा चुके थे। अब वो मद्रास हाईकोर्ट के वकील बन गए हैं। ये शख्स हैं ए.जी. पेरारीवलन। उन्होंने तमिलनाडु और पुदुचेरी बार काउंसिल में वकील के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है। उनके रजिस्ट्रेशन के समय मद्रास हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इंडियन एक्सप्रेस ने उनकी कहानी पब्लिश की है। 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में पेरारीवलन को गिरफ्तार किया गया था। उस समय उनकी उम्र केवल 19-20 साल की थी। इस मामले में उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी, बाद में उसे उम्रकैद में बदल दिया गया। लंबे समय तक चले इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार (आर्टिकल 142) का इस्तेमाल करते हुए मई 2022 में उन्हें रिहा कर दिया था। रिहा होने के बाद पेरारीवलन ने कानून की पढ़ाई शुरू की। उन्होंने बेंगलुरु के डॉ. बी.आर. अंबेडकर लॉ कॉलेज में दाखिला लिया। पिछले साल 2025 में उन्होंने अपनी डिग्री पूरी की और उसी साल आल इंडिया बार एग्जाम भी पास कर लिया। बीते सोमवार को काला कोट पहनकर कोर्ट पहुंचे। पेरारीवलन ने कहा कि जेल में मेरी लंबी कानूनी लड़ाई ने मुझे कानून पढ़ने के लिए प्रेरित किया। मेरा सपना मशहूर क्रिमिनल वकील बनना नहीं है, बल्कि मैं उन हजारों कैदियों की आवाज बनना चाहता हूं, जिन्हें कानूनी मदद नहीं मिल पाती। इनमें खासकर उम्रकैद की सजा पा चुके गरीब कैदी शामिल हैं, जो सालों से रिहाई का इंतजार कर रहे हैं। उनकी रिहाई इस वजह से नहीं हो पा रही है कि क्योंकि उनके पास वकील की फीस देने के पैसे नहीं हैं।

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस टीएस थॉमस ने 2013 में कहा था कि 23 साल जेल में रखने के बाद किसी को फांसी देना सही नहीं होगा। यह एक अपराध के लिए दो सजा देने जैसा है। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। पेरारिवलन ने 2014 में तमिलनाडु के राज्यपाल के पास दया याचिका दायर की थी। जो कई वर्षों तक लंबित रही। 2018 में प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल ने इस पर राज्यपाल को अपनी सिफारिश दी और पेरारिवलन की उम्रकैद पूरी होने से पहले उसे रिहा करने की मांग की।

मां ने लड़ी कानूनी लड़ाई

पेरारीवलन का कहना है कि मेरा सपना एक ऐसी न्याय व्यवस्था के लिए काम करना है जो दोषियों के साथ भेदभाव न करें। ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका आदि देशों जैसी कानून व्यवस्था यहां भी लागू होनी चाहिए, जहां सजा के बाद निर्दोष साबित होने (एग्जॉनरेशन) के प्रावधान हैं। पेरारीवलन की मां अरपूथम अम्मल ने सालों तक उनके लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने राजनीतिक नेताओं, मुख्यमंत्रियों, जजों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से लगातार अपील की। परिवार का कहना था कि पेरारीवलन को गलत तरीके से फंसाया गया। राजीव गांधी की हत्या 1991 में श्रीपेरंबुदूर में चुनावी रैली के दौरान आत्मघाती बम धमाके में हुई थी। पेरारीवलन उन सात लोगों में शामिल थे जिन्हें साजिश के मामले में दोषी ठहराया गया था।

उफ! झुलसाती गर्मी...पारा 43° के पार

राजधानी में इन दिनों तेज गर्मी का दौर चल रहा है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। ऐसे में दिन में तपिश से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। दूसरी ओर पश्चिमी विक्षोभ और नमी के कारण उमस भी बेचैनी बढ़ा रही है। इन सब से अप्रैल में जून जैसी गर्मी का अहसास हो रहा है। आने वाले दिनों में ज्यादा राहत के आसार नहीं है और अगले दो-तीन दिन गर्मी के साथ-साथ लोगों को और अधिक गर्मी का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल तापमान 40 से 43 के डिग्री के बीच है। तेज धूप और गर्म हवा के साथ वातावरण में बढ़ रही नमी ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी है। दिन के साथ-साथ रात में भी उमस के कारण राहत नहीं मिल पा रही है। दोपहर में सड़कें सुनसान नजर आ रही है। जरूरी होने पर ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं।

अमृत 2.0 के तहत भोपाल में बनेगा सबसे बड़ा ट्रीटमेंट प्लांट

273 किमी सीवेज लाइन और 10 प्लांट से बदलेगी शहर की सूरत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के सबसे प्रदूषित पातरा नाले को स्वच्छ बनाने की दिशा में नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण परियोजना पर काम शुरू कर दिया है। अमृत 2.0 योजना के तहत भानपुर खंती के पास 60 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाया जा रहा है। इसके लिए प्रारंभिक खुदाई कार्य शुरू हो चुका है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शहर के दूषित पानी को उपचारित कर उसे हलाली डैम तक स्वच्छ रूप में पहुंचाना है।

पातरा नाला प्रदूषण का बड़ा स्रोत: पातरा नाला मध्य और नरेला विधानसभा क्षेत्रों से होकर गुजरता है और शहर का सबसे बड़ा नाला माना जाता है। यह नाला भानपुर खंती के पास हलाली डैम में जाकर मिलता है। नगर निगम के सर्वे के अनुसार, नरेला विधानसभा क्षेत्र का लगभग 70 प्रतिशत सीवेज इसी नाले में गिरता है, जिससे प्रदूषण की गंभीर समस्या बनी हुई है। करीब एक वर्ष पहले नगर निगम ने इस नाले को अमृत 2.0 योजना में शामिल किया था। इस परियोजना के तहत चार पैकेज में टेंडर जारी किए गए हैं। कुल 402 करोड़ रुपये की लागत से इस योजना में लगभग 10 ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाने हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में सीवेज नेटवर्क बिछाने का कार्य भी तेजी से चल रहा

भानपुर खंती के पास पातरा नाले पर बनेगा शहर का सबसे बड़ा एसटीपी

है। भानपुर खंती में बन रहे एसटीपी को नरेला विधानसभा क्षेत्र से जोड़ने के लिए लगभग 273 किलोमीटर लंबी सीवेज लाइन बिछाई जाएगी। इस कार्य के लिए जनवरी 2026 में वर्कऑर्डर जारी किया गया था और इसे तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पुरानी सीवेज लाइन भी होगी चालू: वर्ष 2015 में नगर निगम द्वारा एडीबी योजना के तहत विशाल शादी हॉल से कोलुआ पंप हाउस तक सीवेज लाइन बिछाई गई थी, जो वर्तमान में बंद पड़ी है। नए एसटीपी के तैयार होने के बाद इस पुरानी लाइन को पुनः चालू किया जाएगा। इसके लिए करीब 9 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

2029 तक पूरा होगा निर्माण कार्य

60 एमएलडी क्षमता वाला यह एसटीपी जनवरी 2029 तक नगर निगम को हैंडओवर किया जाएगा। इसके चालू होने के बाद पातरा नाले का गंदा पानी उपचारित कर ही हलाली डैम में छोड़ा जाएगा, जिससे पर्यावरण को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है। नगर निगम अपर आयुक्त तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने बताया कि शहर को सीवेज से जोड़ने के लिए अमृत 2.0 के तहत काम किए जा रहे हैं। इसके तहत पातरा नाला पर भी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाया जाना है। इसके बाद इस नाले का उपचारित करने के बाद ही हलाली डैम में छोड़ा जाएगा।

बिना मोटापा-फैटी लिवर के बढ़ता रहा लिवर फाइब्रोसिस, मरीजों के अध्ययन में खुलासा

डायबिटीज मरीज चपेट में, बिना लक्षण बढ़ रही बीमारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

डायबिटीज मरीजों के लिए एक नई चिंता सामने आई है। हालिया अध्ययन में पाया गया है कि बिना मोटापा और बिना फैटी लिवर वाले मरीजों में भी लिवर फाइब्रोसिस तेजी से बढ़ रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित करीब 40 फीसदी मरीज इसकी चपेट में हैं। लिवर फाइब्रोसिस लिवर डैमेज की शुरुआती अवस्था है, जिसमें लिवर के स्वस्थ ऊतकों पर धीरे-धीरे घाव (स्कार) बनने लगते हैं। इससे लिवर की कार्यक्षमता कम होती जाती है और समय पर इलाज न होने पर यह लिवर सिरोसिस में बदल सकता है, जो जानलेवा हो सकता है।

बिना लक्षण बढ़ी बीमारी

विशेषज्ञों के अनुसार, यह बीमारी बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में विकसित होती रहती है। यही कारण है कि मरीज को तब तक पता नहीं चलता, जब तक लिवर को गंभीर नुकसान नहीं हो जाता।

रिसर्च में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

- 26 फीसदी मरीजों में लिवर फाइब्रोसिस पाया गया
- 14 फीसदी मरीजों में गंभीर फाइब्रोसिस
- हर 20 में से 1 मरीज को सिरोसिस
- कई मरीजों में बिना मोटापा और बिना फैटी लिवर के भी बीमारी

इन कारणों से खतरा

- लंबे समय से डायबिटीज
- मोटापा और खराब लिपिड प्रोफाइल किडनी फंक्शन का कमजोर होना

भारत में 10 करोड़ से ज्यादा लोग टाइप-2 डायबिटीज से पीड़ित हैं। अब तक आंख, किडनी और नसों की समस्याओं पर ज्यादा ध्यान दिया जाता था, लेकिन इस अध्ययन के बाद विशेषज्ञों ने लिवर फाइब्रोसिस को डायबिटीज की चौथी प्रमुख जटिलता मानने की सलाह दी है। डॉ. मयूर अग्रवाल का कहना है कि डायबिटीज मरीजों को नियमित रूप से लिवर की जांच करानी चाहिए, भले ही कोई लक्षण न हों। भोपाल में फाइब्रोस्कैन जांच की सुविधा एम्स में भी शुरू हो चुकी है। जांच आमतौर पर 4500-6000 रुपए में होती है, लेकिन अरेरा कॉलोनी स्थित हार्मोन इंडिया सेंटर में हर महीने के दूसरे और चौथे सोमवार को 500 रुपए में जांच उपलब्ध है। इससे लिवर सिरोसिस, कैंसर और फैटी लिवर जैसी बीमारियों की समय पर पहचान संभव है।

भोपाल के हार्मोन इंडिया सेंटर ने किया मरीजों पर रिसर्च

यह खुलासा द लैंसेट रीजनल हेल्थ (साउथईस्ट एशिया) में प्रकाशित डायाफिब-लिवर स्टडी में हुआ है। इसमें 9 हजार से अधिक टाइप-2 डायबिटीज मरीजों को शामिल किया गया। अध्ययन का संचालन डॉ. मयूर अग्रवाल (हार्मोन इंडिया सेंटर, भोपाल) ने किया। यह रिसर्च देशभर के 48 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा की गई।

बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस आज से चलेगी

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस के विशेष फेरे का संचालन आज से करने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 02531 बनारस-हडपसर उद्घाटन स्पेशल का शुभारंभ बनारस से शाम 4.45 बजे होगा। यह ट्रेन अत्याधुनिक अमृत भारत रेक के साथ चलेगी, जिसमें कुल 22 कोच होंगे। निर्धारित समयानुसार ट्रेन बीना स्टेशन पर सुबह 5.15 बजे पहुंचेगी और 5.20 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद रानी कमलापति स्टेशन पर सुबह 7.35 बजे आगमन और 7.40 बजे प्रस्थान, नर्मदापुरम में 8.50 बजे आगमन और 8.55 बजे प्रस्थान, इटारसी में 9.25 बजे आगमन व हरदा में 10.20 बजे आगमन और 10.25 बजे प्रस्थान का समय तय किया गया है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने सुनाया फैसला

समय पर सूचना नहीं देने का बहाना बना क्लेम रोका, अब देना होगा 80 हजार का हर्जाना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वास्थ्य बीमा से जुड़े एक मामले में जिला उपभोक्ता आयोग में उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए इलाज में खर्च राशि ब्याज सहित देने के आदेश जारी किए हैं। यह मामला इसलिए खास माना जा रहा है, क्योंकि संबंधित बीमा सामाजिक संस्था के माध्यम से देशभर के जैन समुदाय के लिए सामूहिक रूप से कराया था। जब उपभोक्ता के पिता को इलाज के बाद क्लेम राशि नहीं मिली, तो उसने बीमा कंपनी के साथ संस्था के खिलाफ भी याचिका दायर किया।

न भुगतान और न ही कोई संतोषजनक जवाब: दिसंबर 2023 में उनके पिता सुभाष चंद्र को सांस लेने में तकलीफ होने पर अस्पताल में आठ दिन भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान 1,06,672 रुपये से अधिक का खर्च आया। सौरभ ने समय पर बीमा कंपनी को सूचना दी और 12 जनवरी 2024 को सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ क्लेम प्रस्तुत किया, लेकिन लंबे समय तक न तो भुगतान हुआ और न ही कोई संतोषजनक जवाब मिला।

आयोग ने संस्था और कंपनी का तर्क किया खारिज: उपभोक्ता की अधिवक्ता मोना पालीवाल ने बताया कि मामले में जैन इंटरनेशनल संस्था ने दलील दी कि उसने बीमा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया, इसलिए वह जिम्मेदार नहीं है। वहीं बीमा कंपनी का कहना था कि 45 दिन के अंदर दावा प्रस्तुत करना होता है, जबकि उपभोक्ता ने 20 दिन के अंदर ही क्लेम किया था। आयोग ने दोनों के तर्क को खारिज कर दिया और पाया कि उपभोक्ता क्लेम राशि पाने का अधिकारी है। आयोग ने स्पष्ट किया कि जब प्रीमियम नियमित रूप से जमा किया है, तो तकनीकी आधार पर क्लेम रोकना गलत है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर केवल अस्पताल के 55 हजार के बिल ही प्रमाणित थे। दवाइयों के 41,672 रुपये के खर्च का पर्याप्त प्रमाण न होने के कारण उसे शामिल नहीं किया गया। आयोग ने आदेश दिया कि बीमा कंपनी और संस्था संयुक्त या अलग-अलग रूप से 55 हजार रुपये की राशि सात प्रतिशत ब्याज के साथ दो माह के भीतर अदा करें।

एक से 30 मई तक छुट्टी पर रहेगी रोक

जनगणना में लगे अधिकारी-कर्मचारी नहीं ले सकेंगे अवकाश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में 1 से 30 मई तक अधिकारी-कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने यह आदेश जारी किए हैं। आदेश उन्हीं अधिकारी-कर्मचारियों पर लागू होगा, जो जनगणना कार्य में लगे हैं। दरअसल, 1 मई से जनगणना के तहत मकान सूचीकरण और उनकी गिनती होना है, जो 30 मई तक चलेगा। इस कार्य में भोपाल के 6 हजार से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। उन्हीं के लिए अवकाश वाला आदेश लागू होगा। मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना संबंधी कार्य को दृष्टिगत रखते हुए सभी प्रकार के अवकाश प्रतिबंधित किए गए हैं। हालांकि, इस दौरान किसी के यहां जरूरी पारवारिक कार्य है या कोई मेडिकल इमरजेंसी हो गई तो उन्हें संबंधित कार्यालय प्रमुख की अनुमति लेना जरूरी होगा।

'सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय' साल का सर्वश्रेष्ठ आई हॉस्पिटल

सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर ने नई दिल्ली में किया सम्मानित

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

मध्य भारत में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में काम करने वाले सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। दिल्ली में आयोजित एक समारोह में सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर संस्था ने सेवासदन को वर्ष 2025-26 का उत्कृष्ट नेत्र चिकित्सालय पुरस्कार प्रदान किया।

यह पुरस्कार बाहुबली फेम अभिनेता राणा दग्गुबाती के हाथों सेवा सदन के ट्रस्टी सुरेश आवतरामानी और प्रबंधक महेश लेखवानी ने ग्रहण किया। इस अवसर पर एडमिरल डीके त्रिपाठी चीफ ऑफ नेवल स्टाफ, सांसद हेमा मालिनी और अभिनेत्री जया प्रदा कला जगत से सुधा चंद्रन, राजपाल यादव, रंजीत, कैलाश खेर, दलेर मेहंदी और कॉमेडियन वीआईपी मौजूद रहे।

बात दें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को यह सम्मान मध्य भारत अंचल में उच्च गुणवत्ता वाली और रियायती नेत्र सुरक्षा सेवाएं निरंतर प्रदान करने के लिए दिया गया है। संस्था ने अस्पताल की सेवाओं और मरीजों के प्रति उनके समर्पण का गहन आकलन करने के बाद यह निर्णय लिया।

सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर दुर्गम क्षेत्रों में देवदूत

पुरस्कार देने वाली संस्था सिक्स सिग्मा हेल्थकेयर स्वयं चिकित्सा के क्षेत्र में एक मिसाल है। डॉ. प्रदीप भारद्वाज और डॉ. अनीता भारद्वाज के नेतृत्व में यह संस्था जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में आपदा के समय एयर एम्बुलेंस के जरिए सैन्य बलों और नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाती है। संस्था हर साल देश के बेहतरीन सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों को उनकी गुणवत्ता के आधार पर सम्मानित करती है।

मेट्रो एंकर

भोपाल मेट्रो में ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम शुरू

टिकट विंडो के सामने अब लाइन नहीं लगेगी, वॉलेट रिचार्ज पर छूट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेट्रो स्टेशन पर सोमवार से ऑटोमैटिक फेयर कनेक्शन सिस्टम शुरू हो गया। इसके चलते अब यात्रियों को स्टेशन पर टिकट के लिए लंबी कतार नहीं लगाना पड़ेगी। वह इलेक्ट्रॉनिक तरीके से मेट्रो स्टेशन में एंट्री और एग्जिट कर सकेंगे। नई सुविधा के साथ ही टिकट और वॉलेट रिचार्ज पर भी छूट दी जा रही है।

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इस सिस्टम की शुरुआत की है। पहले दिन कई यात्रियों ने मेट्रो में सफर किया और नए सिस्टम से ही टिकट ली। भोपाल मेट्रो का ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन टिकटिंग है। यह सिस्टम

यात्रियों को बिना किसी मैन्युअल हस्तक्षेप (जैसे टिकट काउंटर पर लंबी कतार) के मेट्रो स्टेशन पर एंट्री करने, सफर करने और बाहर निकलने की सुविधा देता है। नए सिस्टम के साथ ही राउंड ट्रिप (आवागमन) टिकट पर कुल किराए में 5 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है। इससे उन यात्रियों को विशेष लाभ मिलेगा, जो एक ही दिन में आना और जाना करते हैं। ग्रुप में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भी विशेष प्रावधान किया गया है। समूह टिकट पर कुल किराए में 10 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह सुविधा (एकल-समूह टिकट पर) न्यूनतम 8 एवं अधिकतम 40 यात्रियों के समूह के लिए उपलब्ध है। मेट्रो के आधिकारिक मोबाइल एप के माध्यम से यात्री क्यूआर टिकट बुक कर सकेंगे। इस एप के वॉलेट रिचार्ज पर विशेष रियायत दी जाएगी। मोबाइल एप के माध्यम से टिकट प्राप्त करने पर यात्रियों का समय भी बचेगा।

इस तरह से मिलेगी रिचार्ज स्लैब में छूट: 200 से 499 रुपए के टिकट पर 8 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। 500 से 999 के टिकट पर 10 फीसदी की छूट मिलेगी। 1000 से 1499 रुपए पर 12 फीसदी की छूट रहेगी। 1500 से 2000 में 15 फीसदी की छूट दी जाएगी। बता दें यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टिकटिंग के विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं। पेपर क्यूआर टिकट, टाम (टिकट काउंटर)/ईएफओ (ग्राहक सेवा केंद्र) रूम से नकद या यूपीआई के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं।

सीएम मोहन ने किसानों को दिया भरोसा, कहा-घबराएं नहीं अन्नदाता

50 फीसदी खराब चमक वाला गेहूं भी खरीदेगी मोहन सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में किसानों को बड़ी राहत मिली है। सीएम मोहन यादव ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। 50 फीसदी तक खराब चमक वाला गेहूं भी मोहन सरकार खरीदेगी। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार ने पानी की कमी के कारण कम विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत, क्षतिग्रस्त दानों की सीमा 6 प्रतिशत बढ़ा दी है। दरअसल, मोहन सरकार इस साल किसान कल्याण वर्ष मना रही है। सरकार लगातार किसानों के कल्याण के लिए फैसले ले रही है। सीएम की कोशिशों के बाद मध्य प्रदेस में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। साथ ही किसान गेहूं को बेचने के लिए नौ मई तक स्लॉट बुकिंग कर सकेंगे। पहले 30 अप्रैल तक थी।

किसानों के लिए चल रहे एमपी में 3516 उपार्जन केंद्र

वहीं, मध्य प्रदेश में किसानों के लिए 3516 उपार्जन केंद्र चल रहे हैं। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल से बढ़ाकर 2250 रुपए प्रति क्विंटल कर दी गई है। अभी तक मध्य प्रदेश में गेहूं बेचने के लिए कुल 8 लाख 55 हजार किसानों ने स्लॉट की बुकिंग करवाई है। वहीं, तीन लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर दो हजार 527 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है।

चार गुना मुआवजा देने का भी किया ऐलान

हाल ही में सीएम यादव ने किसानों की समृद्धि के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिया। इस फैसले के मुताबिक, अब किसानों को उनकी भूमि के बदले 4 गुना तक मुआवजा दिया जाएगा। यह निर्णय किसानों के अधिकारों की रक्षा करेगा और उनके भविष्य को सुरक्षित करेगा। राज्य सरकार ने दलहन, उड़द और तिलहन फसल, सरसों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। उड़द को तय समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा और किसानों को तय समर्थन मूल्य के अतिरिक्त खरीदी गई उड़द पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस राशि भी दी जाएगी।

सरकार आरटीओ चेक पोस्ट पर हाईकोर्ट के आदेश को देगी चुनौती : परिवहन मंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने सोमवार को कहा कि प्रदेश सरकार सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) चेक पोस्ट को फिर से खोलने के हाईकोर्ट के निर्देश को चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि डिवीजन बेंच में जाने से पहले कानूनी राय ली जा रही है। मंत्री उदय प्रताप ने राज्य विधानसभा में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि हमने विधि विभाग और महाधिवक्ता से मार्गदर्शन मांगा है। सरकार अदालत में अपना पक्ष रखेगी। उन्होंने संकेत दिया कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील तैयार की जा रही है। हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने 22 अप्रैल को रजनीश त्रिपाठी की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह 30 दिनों के भीतर सभी बंद पड़े चेक पोस्ट शुरू करे। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की बेंच ने कहा कि भारी वाहनों की निगरानी करने, ओवरलोडिंग को रोकने और परिवहन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए भौतिक चेक पोस्ट बहुत जरूरी हैं। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले आश्वासन दिया था कि चेक पोस्ट चालू रहेंगे, लेकिन बाद में 30 जून, 2024 को उन्हें बंद कर दिया गया। हाईकोर्ट ने इसे अदालत के पिछले निर्देशों और सरकार के अपने ही आश्वासन, दोनों का उल्लंघन बताया। आदेश में यह भी कहा गया कि चेक पोस्ट बंद होने से नियमों को लागू करने की प्रक्रिया कमजोर हुई है, सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा है, और बिना अनुमति के चलने वाले परिवहन कार्यों में बढ़ोतरी हुई है।

कानूनगो बोले- पुलिस सुन ले, कोर्ट से छुपाई गई जानकारी मेरे पास है...

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के चर्चित मछली परिवार केस में अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की एंट्री हो गई है। इससे मामला और गरमा गया है। आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने भोपाल पुलिस की अब तक की कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए सख्त टिप्पणी की है। कानूनगो ने स्पष्ट कहा कि यासीन अहमद उर्फ यासीन मछली और उसके परिवार से जुड़े मामलों में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई उन्हें संतोषजनक नहीं लगती। उन्होंने भोपाल पुलिस को संदेश देते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण से जुड़ी जो जानकारी पुलिस के पास है और जो अदालत में पेश की गई है, उससे वे पूरी तरह अवगत हैं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जब वे इस मामले में औपचारिक कार्रवाई शुरू करवाएंगे, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो एक मिसाल बनेगी।

अब NHRC की सख्ती के बाद यह मामला नए मोड़ पर पहुंच गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में पुलिस जांच और कार्रवाई दोनों पर आयोग की नजर और कड़ी हो सकती है। दरअसल, जुलाई 2025 में भोपाल पुलिस ने लिंक रोड नंबर-2 से यासीन मछली और उसके चाचा शाहवर मछली को गिरफ्तार किया था। उनके पास से एमडी ड्रग्स, पिस्टल और मोबाइल में आपत्तिजनक वीडियो बरामद हुए थे। जांच के दौरान ड्रग तस्करी, यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और सरकारी जमीन कब्जाने जैसे गंभीर आरोप

चर्चित मछली केस

सामने आए थे। पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर परिवार के सदस्यों पर 13 एफआईआर दर्ज की थीं, जबकि प्रशासन ने करीब 100 करोड़ रुपए की सरकारी जमीन भी मुक्त कराई थी। वहीं, हाल ही में शारिक मछली समेत अन्य परिजनों से क्राइम ब्रांच ने हाईप्रोफाइल मामलों में पूछताछ भी की है।

लव जिहाद पर भी बात

इसके अलावा लव जिहाद को लेकर प्रियंक कानूनगो ने कहा कि भोपाल में बढ़ते सांप्रदायिक और लैंगिक अपराधों को देखते हुए एक विशेष पहल के रूप में 'प्रोजेक्ट संकल्प' शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट सामाजिक संगठनों के सहयोग से पिछले आठ महीनों से संचालित हो रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। कानूनगो के मुताबिक इस प्रोजेक्ट के तहत करीब 7000 कॉलेज जाने वाली छात्राओं और 1000 फैकल्टी मेंबर्स को कम्युनल जेंडर क्राइम, ग्रूमिंग और रैगिंग के जरिए होने वाले यौन अपराधों के तौर-तरीकों के बारे में जागरूक किया गया है।

पीड़िता ने दर्ज कराई एफआईआर

उन्होंने एक उदाहरण साझा करते हुए बताया कि प्रोजेक्ट से जुड़ी एक छात्रा के साथ जब इस तरह की घटना हुई, तो उसने न केवल थाने में एफआईआर दर्ज कराई बल्कि आरोपी का सार्वजनिक रूप से विरोध भी किया। कानूनगो ने कहा कि ऐसी हिम्मत समाज में बदलाव का संकेत है।

तीन-चार साल में दिखेगा बड़ा बदलाव

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह के सुधारात्मक कदमों का असर आने वाले 3 से 4 वर्षों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। कानूनगो ने कहा कि एक पूरी पीढ़ी को जागरूक करने की जरूरत है और लगातार प्रयासों से इस तरह के अपराधों में कमी लाई जा सकती है।

इकबाल मैदान के नाम पर सख्त आपत्ति

प्रियंक कानूनगो ने एक बार भोपाल के इकबाल मैदान के नाम को लेकर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि जिस शख्स ने देश के विभाजन की सोच को बढ़ावा दिया, उसके नाम पर भोपाल में किसी मैदान का होना गलत है। कानूनगो ने कहा कि ऐसे नामों की यहां कोई जगह नहीं होनी चाहिए और इसे बदलना जरूरी है। उन्होंने 'इकबाल सम्मान' जैसे पुरस्कारों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे नाम पर सम्मान देना उचित नहीं है। कानूनगो के मुताबिक, जिस व्यक्ति की विचारधारा देश के विभाजन से जुड़ी रही हो, उसके नाम पर किसी को सम्मानित करना असल में अपमान के समान है। उन्होंने संकेत दिए कि आगे कदम उठाए जाएंगे।

आइएमएफ का आकलन

आइएमएफ यानी अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने आगाह किया है कि ईरान युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है, जिससे आर्थिक वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी। विश्वभर के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर इस सप्ताह होने वाली आइएमएफ और विश्व बैंक की वसंतकालीन बैठकों की तैयारी कर रहे हैं। इससे पहले आइएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने पश्चिम एशिया में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विनाश से लेकर अन्य जगहों पर आपूर्ति में व्यवधान तक कई चुनौतियों का संकेत दिया और कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एआइ पर भारी खर्च के कारण हाल के महीनों में आयी 'मजबूत स्थिति' को देखते हुए अनुमानित 'बेहतर स्थिति' हासिल करना अब संभव नहीं है।

उनका कहना था कि सर्वोत्तम परिदृश्य में भी अमेरिका और ईरान के दो सप्ताह के युद्धविराम के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था की मूल स्थिति में पूर्ण वापसी नहीं होगी। उन्होंने कतर में दुनिया के सबसे बड़े एलएनजी परिसर के बंद होने के कारण एशिया-प्रशांत क्षेत्र में व्याप्त गंभीर ईंधन संकट का उल्लेख किया। ईरान के हमले से पहले इस परिसर की करीब 80 फीसदी एलएनजी एशिया-प्रशांत में निर्यात की जाती थी।

आइएमएफ प्रमुख का कहना था कि कतर के एलएनजी परिसर को पूरी क्षमता से चालू करने में तीन से पांच साल लग सकते हैं। कोविड के बाद मुद्रास्फीति के झटके के बाद यह संघर्ष कीमतों में एक और वृद्धि, ब्याज दरों में वृद्धि और आर्थिक विकास में मंदी का कारण बन सकता है। प्रमुख इनपुट लागतों में वृद्धि का असर कई उपभोक्ता वस्तुओं पर भी पड़ेगा, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ेगी. यदि मुद्रास्फीति की आशंकाएं अनियंत्रित होकर एक महंगे मुद्रास्फीति चक्र में तब्दील हो जाती हैं, तो केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरें बढ़ाकर अधिक आक्रामक रूप से हस्तक्षेप करना होगा।

आइएमएफ प्रमुख के मुताबिक, युद्ध के दूरगामी प्रभावों में न केवल आवश्यक ऊर्जा और औद्योगिक सामग्रियों की कमी शामिल होगी, बल्कि इससे 4.5 करोड़ और लोगों के गरीबी में धकेल दिये जाने का खतरा भी बढ़ जायेगा. गौरतलब है कि आइएमएफ ने जनवरी में एआइ में मजबूत निवेश और व्यापार तनाव में कमी का हवाला देते हुए इस वर्ष वैश्विक आर्थिक विकास दर के 3.3 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था. लेकिन इस सप्ताह जारी होने वाली अपनी रिपोर्ट में वह वैश्विक आर्थिक विकास दर को कम कर सकता है।

किस्सा सन 1854 की पेरी संधि का... क्या धौंस अमेरिका की रगों में है?

डॉ. सुधीर सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

अब वह संधि थी या आत्मसमर्पण? वह खतरनाक घुड़की थी या घेराबंदी? एक ओर था विश्व-परिदृश्य में ताजा-ताजा उभरा अपनी फिल्लयां फड़काता आव्रजकों का राष्ट्र अमेरिका और दूसरी ओर था साहस और श्रम का धनी सामुराइयों का आत्मलीन देश जापान। अमेरिका की गुजारिश में धमकी का घोल था। पेरी ने कहा था- मानो या भुगतो, तो क्या जापान के सामने कोई और चारा नहीं था? उसके बंद कपाटों पर अमेरिकी दस्तक इतनी ज़बर थी कि उसने अपने द्वार खोल दिये थे। देखादेखी ब्रिटेन और रूस भी अमेरिकी कतार में खड़े दिखे, मगर जापान ने सबक लिया और अपने को ताकतवर और सुसज्ज करने में जुट गया।

एक सौ तिहत्तर साल पहले की बात है। सन 1853। समुद्र की लहरों पर ब्रिटिश, डच, स्पेनी, फ्रेंच और पोर्चुगीज ताकतों का राज था। भारतीय उप-महाद्वीप ईस्ट इंडिया कंपनी के ताबे में था। योरोपीय शक्तियो की निगाह जापान पर भी थी। पुर्तगाली, डच और स्पेनी जलपोतों का आना 16 वीं शती में ही शुरू हो गया था, किंतु सन 1639 में उन पर जापान के सम्राट का कहर टूटा। कैथोलिक प्रचारकों और वाणिज्यिक करतूतों के चलते सम्राट ने उनको निष्कासित कर दिया। अगली करीब दो सदियों तक चीन और हालैंड का जापान के साथ सीमित चार्टर व्यापार जारी रहा। दुनिया बदल रही थी और बदल रहा था नौवहन भी। पालदार पोतों की जगह भापचालित पोत ले रहे थे। अमेरिका नये मंसूबे बाँध रहा था। उसके अपने नौसैनिक बेड़े थे और सामने था खुला समुद्र। वह जापान और चीन से वाणिज्यिक और दौत्य संबंध बनाने को आतुर था। अमेरिका की निगाह जापान पर टिकी तो टिकी रही। वजह कि वहाँ कोयले का अकूत भंडार था। उसे सुरक्षित हार्बर चाहिये थे, जहाँ उसके जलपोतों की मरम्मत हो सके और कोयले की आपूर्ति भी। मगर इसमें रोड़ा था। जापान के बंदरगाहों पर विदेशी नाविकों के साथ कठोर और अप्रिय बर्ताव के किस्से चारों ओर फैले हुये थे। सन 1830 के दशक में अमेरिका ने चीन में गुआंगझाऊ (कैंटन) से अनेक नौसैनिक जहाज भेजे, किन्तु जापान ने न तो उन्हें लंगर डालने दिया और न ही कोई सुविधा दी। अंततः सन 1851 में अमेरिकी राष्ट्रपति मिलर्ड फिल्मोर ने जापान के लिये एक नौ-मिशन की अनुमति दी। मकसद था जापान के बंदरगाहों पर टूटफूट के शिकार या क्षतिग्रस्त जहाजों को मरम्मत और ईंधन की सुविधा। साथ ही फंसे हुये नाविकों की सकुशल वापसी। अमेरिकी बेड़ा रवाना हो पाता कि जॉन ऑलिक रिलीव हो गये और उनकी जगह संभाली मैथ्यू पेरी ने। कमोडोर मैथ्यू पूर्णकालिक नेवी अफसर थे और उन्होंने मेक्सिको-अमेरिकी युद्ध में अपने चातुर्य का बखूबी प्रदर्शन किया था। अमेरिकी नेवी के स्टीम-युग में प्रवेश में भी उनकी अहम भूमिका थी।

कमोडोर पेरी सन् 1853 में अपने इस प्रशांत अभियान पर निकले। अमेरिका के लिये नये भूभागों की खोज में पहले वह दक्षिण-पश्चिम में रयुकमूस और दक्षिण-पूर्व में बेनिन प्रायद्वीपों पर गये। उसके बाद उनके नेतृत्व में अमेरिकी बेड़े ने इडो (टोक्यो) का रुख किया। उनके पास राष्ट्रपति फिल्मोर का जापानी सम्राट के नाम राजकीय पत्र भी था। जापान की आंतरिक दशा से अमेरिका की अनभिज्ञता का आलम यह था कि उसे यह नहीं ज्ञात था कि सम्राट की सत्ता बराये-नाम है और असली सत्ता ताकूगावा-शागुनात के हाथों में है। अमेरिका का खयाल था कि तोपों के बल पर जापान को झुकाया जा सकता है। कमोडोर पेरी ने पत्र के साथ-साथ सम्राट को उपहार भी सौंपे। इन भेंटो में था स्टीम-शिप का चालू मॉडेल। साथ में थे टेलीस्कोप, टेलीग्राफ और वाइन एंड लिकर। अमेरिकी मांग थी कि जापान एक से अधिक पत्तन खोले, मांगी गयी सुविधायें दे अन्यथा कहर झेले। जाते-जाते वह कह गया कि वह फिर आयेगा। अगले ही साल और अधिक दल-बल के साथ। गेंद अब जापानी पाले में थी। सम्राट पेरी की फिर आने की धमकी के निहितार्थ को बूझ रहे थे। अभी तक जापान का पाला तीर-तलवारों से पड़ा था। जापानी योद्धा तलवारों की धार तेज कर रहे थे, लेकिन तोपों और स्टीम शिपों का क्या जवाब था? टेलीग्राफ और टेलीस्कोप नवयुग के प्रतीक थे। चीन का हश्र उनके सामने था। अफीम-युद्ध के नतीजे वह देख चुके थे। समूद्र की लहरें पश्चिमी ताकतों के सामने बेबस थीं। पेरी ने अपने मिशन के लिए खासी तैयारी की थी। उसने तीस डॉलर खर्च कर नक्शा जुटाया था और इससे कई गुना रकम खर्च कर फिलिप वॉन सीबोल्ड की किताब खरीदी थी। वह चार युद्धपोत लेकर आया था और अमेरिकी गनबोट पॉलिसी उसका हथियार था। शोगुनात हक्का-बक्का थे कि क्या करें, क्या ना करें? कमोडोर पेरी अगले साल फिर आया। इस बार उसके बेड़े में आठ युद्धपोत थे। गनबोट पॉलिसी कसौटी पर थी, अलबत्ता पेरी को पूरा यकीन था कि वह सफल होगी। राष्ट्रपति फिल्मोर को भरोसा था कि पेरी की कामयाबी से कैलीफोर्निया के स्वर्ण समेत अमेरिकी सामानों के लिये जापान का बाजार खुल जायेगा। जापान के पास सूचनाओं का टोटा था। सूचनाओं का एकमात्र स्रोत थे डच नाविक और व्यापारी। जापान आठ जुलाई, 1853 को पेरी का हठ देख चुका था, जब उसने इडो खाड़ी के मुहाने से नागासाकी को जाने से इंकार कर दिया था। पेरी के धमकी देकर लौटने के बाद ही ताकुगावा लेयोशी की मृत्यु हो गयी और बागडोर उसके बीमार बेटे तामगावा लेसादा के हाथों में आ गयी। बागडोर अबे मासाहीरो के नेतृत्व में सीनियर कौंसिल के हाथों में थी। दिग्भ्रमित अबे ने वरिष्ठों में रायशुमारी की तो दिलचस्प तौर पर मांग मानने या ठुकराने के पक्ष में बराबर-बराबर मत आये। सर्वत्र असमंजस था कि 11 मार्च, 1854 को बला की मानिंद पेरी फिर आ धमका। उसका पैगाम साफ़ था कि बिना संधि वह लौटेगा नहीं। वार्ता के बजाय वह हार्बर के सर्वेक्षण जैसे कामों में जुट गया। अंततः आठ मार्च को वार्ता शुरू हुई। पेरी के आगमन पर अमेरिकी दल ने वैज्ञानिक दक्षता का प्रदर्शन किया तो जापानी दल ने सूमो कला का। 25 सूमो मुकाबलों का पेरी पर कोई असर नहीं पड़ा। अंततः जापान ने पेरी की लगभग सभी मांगें मान लीं। पेरी की टीम के बंदूकों के चमत्कारिक प्रदर्शन ने जापानियों को भौंचक कर दिया था। अंततः 31 मार्च, 1854 को काइको हिरोबा, याकोहामा में संधि पर दोनों पक्षों के हस्ताक्षर हुये। संधि का मजमून चार भाषाओं- अंग्रेजी, चीनी, जापानी और डच में तैयार किया गया। शिमोदा और हाकूदाते बंदरगाहों के मुँह अमेरिका के लिये खुल गये। जापान ने अमेरिकी नाविकों को सुरक्षा व स्वास्थ्य सेवाएं देन, उन्हें गिरफ्तार नहीं करने, मुद्रा विनिमय, बंदरगाहों पर आवाजाही, शिमोदा में अमेरिकी दूत रखने पर हामी भरी। उसने इस पर भी रजामंदी दी कि किसी भी अन्य राष्ट्र को प्रदत्त भावी सुविधा अमेरिका को भी मिलेगी। संधि के आशय पत्र की पुष्टि अनमने सम्राट कोमेई ने की। शोगुनत टोली का मुखिया रहा हयाशी अकीरा। ये सारे दस्तावेज जापान में आज भी सुरक्षित हैं। संधि से जापान सन 1600 से जारी सकोकू (अलगाव) युग से बाहर आ गया। संधि जापान और पश्चिमी देशों में वाणिज्य एवं इतर संपर्कों का बायस बनी। सत्ता सूत्र अगले ही दशक में सम्राट के हाथों में आ गये और जापान ने फौजी और औद्योगिक प्रगति की राह पकड़ी। जल्द ही जापान ने बतर्ज पेरी-संधि, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस से भी संधियां की। इस संधि ने परवर्ती हैरिस संधि की नींव रख दी। मैथ्यू पेरी की सन 1858 में 64 वर्ष की वय में मृत्यु हो गयी। वह अमेरिका की उस गनबोट नीति का नायक था, जो धौंस पर टिकी थी। उसकी संधि के निहितार्थ को लेकर इतिहासकारों के अलग-अलग मत हैं, लेकिन ऐसे इतिहासविदों की कमी नहीं है, जो इसे जापान के एशियाई महाशक्ति के तौर पर उभरने की प्रक्रिया का उत्प्रेरक मानते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

देश की सियासत में नई कहानी लिख रही है, आम आदमी पार्टी में हुई बगावत

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

भारतीय राजनीति में दल बदल और आंतरिक बगावत कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी उभरती हुई पार्टी के भीतर इस तरह का बड़ा घटनाक्रम सामने आता है तो उसके दूरगामी असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही में राघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने अथवा दल-बदल/विलय के दावे से भारतीय राजनीति में कई गंभीर समस्याएं और विवाद उत्पन्न हो गए हैं। यह सबसे बड़ा कानूनी मुद्दा है कि क्या चड्ढा के साथ अन्य सांसदों का विलय संवैधानिक है। यह दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसके दो-तिहाई वाले प्रावधान पर बहस छेड़ता है कि क्या सांसदों का एक बड़ा समूह रातों-रात पार्टी बदल सकता है।

इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि आरोप है कि उसके 10 में से 7 सांसद पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक अस्तित्व का संकट है। पार्टी के पूर्व सहयोगियों और समर्थकों की ओर से इसे वैचारिक विश्वासघात के रूप में देखा जा रहा है। आप ने आरोप लगाया है कि यह ऑपरेशन कमल के तहत भाजपा द्वारा उसके सांसद नेताओं को तोड़ने की कोशिश है। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर पद से हटाया गया था, जिसके बाद यह बगावत हुई। यह पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक मतभेदों और नेतृत्व की पकड़ को उजागर करता है।इस प्रकार के बड़े पैमाने पर दल-बदल से अस्थिरता का युग वापस आने की चिंता बढ़ गई है, जिससे लोकतंत्र के भविष्य पर सवाल उठते हैं। राघव चड्ढा और उनके साथ कई राज्यसभा सांसदों का आम आदमी पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी में जाने का फैसला एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यक्तियों का दल बदल नहीं बल्कि एक संगठन की आंतरिक स्थिति और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के समय खुद को एक वैकल्पिक राजनीति के रूप में प्रस्तुत किया था। ईमानदारी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों को केंद्र में रखकर इस पार्टी ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की। दिल्ली में लगातार जीत और पंजाब में सरकार बनाना इस बात का प्रमाण था कि जनता ने इस पार्टी को स्वीकार किया है। लेकिन अब जिस तरह से पार्टी के भीतर असंतोष और टूट सामने आ रही है वह यह संकेत देता है कि अंदरूनी ढांचे में कहीं न कहीं कमजोरी मौजूद है। राघव चड्ढा का पार्टी से अलग होना अचानक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरी की खबरें सामने आती रही थीं। महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर अलग पहचान बनाने की कोशिश और संगठनात्मक गतिविधियों से दूरी यह सभी संकेत पहले से मौजूद थे। जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा और फिर भाजपा में शामिल होना एक तय दिशा की ओर बढ़?ता कदम प्रतीत होता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है दो तिहाई सांसदों का गणित। भारतीय संविधान के तहत दल बदल कानून यह कहता है कि यदि किसी पार्टी के दो तिहाई सांसद एक साथ दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो उनकी सदस्यता सुरक्षित रहती है। यही कारण है कि राघव चड्ढा ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में सांसदों को जोड़ने का प्रयास किया। यह केवल राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि एक रणनीतिक कदम भी था जिससे उनकी संसदीय स्थिति बनी रहे।

यहां सवाल उठता है कि क्या यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मामला है या फिर पार्टी की कार्यप्रणाली में वास्तविक समस्याएं हैं। जब एक दो नहीं बल्कि कई सांसद एक साथ पार्टी छोड़ते हैं तो यह संकेत देता है कि असंतोष व्यापक है। स्वाति मालीवाल जैसे नेताओं का पहले से असहज होना और अन्य नेताओं का अचानक अलग होना यह दर्शाता है कि संवाद और विश्वास की कमी रही है। अब तुलना शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से की जा रही है। इन दोनों दलों में भी इसी तरह की टूट देखने को मिली थी जहां दो तिहाई विधायकों के अलग होने से पार्टी का नियंत्रण बदल गया। हालांकि वर्तमान स्थिति में आम आदमी पार्टी के मामले में यह टूट राज्यसभा तक सीमित है इसलिए सरकार पर तत्काल कोई खतरा नहीं है। लेकिन यदि यही स्थिति पंजाब विधानसभा तक पहुंचती है तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं। पंजाब इस समय आम आदमी पार्टी का सबसे मजबूत आधार है। यदि वहां भी इसी तरह का असंतोष पैदा होता है और बड़ी संख्या में विधायक अलग होते हैं तो पार्टी की पहचान और अस्तित्व दोनों पर खतरा आ सकता है। इसलिए यह घटनाक्रम केवल एक संसदीय बदलाव नहीं बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत भी है। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह घटनाक्रम कई मायनों में लाभकारी है। पहला राज्यसभा में उसकी संख्या बढ़ेगी। राघव चड्ढा के साथ आप के 10 में से 7 राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल हुए हैं, जिससे उच्च सदन में भाजपा की संख्या बढ़कर 113 हो गई है और उसे अहम विधेयकों को पास कराने में आसानी होगी। यह दलबदल आम आदमी पार्टी के लिए पंजाब और दिल्ली में एक बड़ा झटका है, जहाँ चड्ढा एक प्रमुख युवा चेहरा थे।चड्ढा का रोल सिर्फ टीवी और संसद तक सीमित नहीं था. पंजाब में संगठन खड़ा करने और दिल्ली-पंजाब के बीच समन्वय बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है. उनके जाने से यह कनेक्शन कमजोर पड़ सकता है। खासतौर पर तब, जब आम आदमी पार्टी खुद को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रही है. इससे भाजपा को पंजाब चजहाँ अगले साल चुनाव होने हैं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद मिल सकती है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

एसी से सीधे धूप में जाने पर दिल, दिमाग, ब्लड वेसल्स तक पर असर

गर्मी से राहत पाने के लिए बहुत से घरों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल हो रहा है। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की कंसल्टेंट न्यूरोलॉजी एंड न्यूरोमस्कुलर डिसऑर्डर स्पेशलिस्ट डॉ वंदना भंडारी ने एसी से सीधा धूप में जाने पर दिमाग, दिल और रक्त वाहिकाओं पर पड़ने वाले असर के बारे में बताया है। हमारा शरीर 36.5 से लेकर 37.5 डिग्री के बीच एक अंदरुनी तापमान को बनाए रखता है। यह कंट्रोल सिस्टम दिमाग के छोटे से, मगर बहुत ताकतवर हिस्से द्वारा मैनेज किया जाता है, जिसे हाइपोथैलेमस कहते हैं। जब आप एसी के ठंडे वातावरण से गर्मी में बाहर कदम रखते हैं तो शरीर अचानक से बाहरी तापमान में बढ़ोतरी को भांप लेता है। इसके तुरंत बाद हाइपोथैलेमस शरीर का ठंडा करने की प्रक्रिया शुरू कर देता है, जिसमें स्किन मे मौजूद ब्लड वेसल्स चौड़ी होने लगती हैं, जिसे वैसोडिलेशन कहते हैं। गर्मी बाहर निकालने के लिए स्वेट ग्लैंड्स काम करने लगती हैं और दिल की धड़कन धीरे से बढ़ जाती है। ये शारीरिक प्रतिक्रिया गर्म माहौल में आपको ठंडा होने में मदद करती हैं, मगर पूरी तरह एडजस्ट होने में कुछ मिनट का वक्त लगता है।

हाइड्रेशन का काम: एक्सपर्ट बताती हैं कि एयर कंडीशनर वाले माहौल में ह्यूमिडिटी कम होती है, जिससे बॉडी में ड्राईनेस बढ़ती है। आप ऐसे माहौल में पसीना निकाले बिना भी बॉडी फ्लूइड खोते रहते हैं। फिर आप जब गर्मी में कदम रखते हैं तो तेजी से पसीना निकलना शुरू हो जाता है और फ्लइड की कमी ज्यादा हो जाती है। अगर आप पहले से डिहाइड्रेटेड रहेंगे तो सिरदर्द, थकान और फोकस में कमी झेलनी पड़ सकती है।

गर्मी में सिरदर्द: आसपास के तापमान में अचानक बदलाव आने से कुछ लोगों में सिरदर्द और माइग्रेन का दर्द होना आम है। रिसर्च बताती हैं कि एनवायरमेंटल चेंजेस में गर्मी बढ़ने जैसा बदलाव दिमाग के अंदर मौजूद पेन पाथवे को एक्टिवेट कर सकता है। आसान भाषा में समझें तो ऐसे बदलावों के प्रति दिमाग काफी संवेदनशील होता है। टेंप्रेचर में आया बड़ा बदलाव ट्रिगर की तरह काम करता है। माइग्रेन के मरीजों के अंदर यह समस्या ज्यादा आम देखी जाती है। एसी से धूप में जाने से पहले कुछ देर छाया में रहें। एसी में रहने पर भी पर्याप्त पानी पीएं। एसी का टेंप्रेचर बहुत कम ना रखें। अगर चक्कर आ रहे हैं तो सावधान हो जाएं और शरीर को माहौल के मुताबिक ढलने का समय दें।

सुविचार

जीवन में इतनी तेजी से आगे दौड़ों कि लोगों के बुराई के धागे आपके पैरों में आकर टूट जाएं।
–अज्ञात

निशाना

चड्डा थे अब चड्डी हो गये..!

ब्रजकिशोर पटेल

चड्डा थे अब चड्डी हो गये।
किरकिटबाज कबड्डी हो गये।।
कचरा भरा हुआ गड्डा थे।
अब नोटों की गड्डी हो गये।।
पके आम से जो लटके थे।
श्वान के मुंह की हड्डी हो गये।।
कटा अंगूठा एकलव्य का।
पृथ्वीराज फिसड्डी हो गये।।
सोशल मीडिया छोटो पड़ गओ।
चड्डा न्यूज यों बड्डी हो गये।।

यूजर्स गाइड

बदल रहा है आधार कार्ड का डिजाइन बेहतर हो जाएगी यूजर्स की प्राइवेसी

नया आधार कार्ड ऐप लॉन्च होने के बाद भी कई ऐसी जगहें हैं, जहां जरूरत पड़ने पर आधार की फोटोकॉपी को जमा करना पड़ता है। ऐसे में अक्सर डर बना रहता है कि आधार की फोटोकॉपी का कोई गलत इस्तेमाल न कर ले। सरकार ने इसे सुधारने के लिए बड़ा फैसला लिया है। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार जल्द ही आधार कार्ड का डिजाइन बदला जाएगा। डिजाइन में होने वाले इस बदलाव के बाद आधार कार्ड पर से यूजर की निजी जानकारी जैसे कि नाम, पता, आधार नंबर हटा लिया जाएगा। इससे । आधार कार्ड का नया डिजाइन काफी अलग होगा। पहले कार्ड पर नाम, पता, और 12 अंकों वाला आधार नंबर छपा होता था। नए कार्ड में सिर्फ फोटो और एक सुरक्षित त्त्क्रकोड होगा। इस त्त्क्रकोड का फायदा होगा कि आपसे जुड़ी जानकारी जैसे नाम, पता, जन्मतिथि और आधार नंबर अब कार्ड पर छपने के बजाय कोड के अंदर एन्क्रिप्टेड रूप में छिपी होगी। इसे रीड करने के लिए सरकार द्वारा अधिकृत स्कैनर या आधिकारिक ऐप से ही खोला जा सकेगा।

क्यों बदल रहा है आधार कार्ड: इस बदलाव की बड़ी वजह धोखाधड़ी को रोकना और लोगों की निजी जानकारी को प्राइवेट बनाए रखना है। रिपोर्ट के मुताबिक कई बार अलग-अलग संस्थान आपकी जानकारी के बिना आपके आधार कार्ड को स्टोर कर लेते हैं। जो कि प्राइवेसी और सुरक्षा के नजरिए से खतरनाक होता है। वहीं जब आधार पर आपकी तस्वीर और सिर्फ QR कोड होगा, तो कार्ड के गलत इस्तेमाल की संभावना भी कम हो जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने आधार विजन 2032 के तहत एक योजना तैयार की है। इसके लिए खास उच्च-स्तरीय समिति भी बनाई गई है, जो भविष्य की सुरक्षा जरूरतों और डेटा प्राइवेसी पर काम कर रही है। इसके लिए एक ऐसी व्यवस्था बनाई जाएगी जिसमें कागजों पर निर्भर्ता कम हो और डिजिटल फर्स्ट सिसटम में वेरिफिकेशन तेज और आसान हो। फिलहाल, आप और जानकारी आने तक आधार कार्ड की फिजिकल कॉपी इस्तेमाल करने की जगह आधार ऐप को इस्तेमाल करें। जैसे ही सरकार नए आधार डिजाइन को ऑफिशियल करती है, आप UIDAI की वेबसाइट के जरिए नए आधार की फिजिकल कॉपी को ऑर्डर कर पाएंगे। यह कुछ ऐसा ही होगा जैसे आप फिलहाल आधार के PVC कार्ड को ऑर्डर करते हैं।

टेक्नो अपडेट

चीन ने बनाई पर्यावरण के लिए अनुकूल आयरन बैटरी, लिथियम से सस्ती है टेक्नोलॉजी

चीन ने एक ऐसी बैटरी तकनीक इजाद की है, जो कि मौजूदा लिथियम-आयन बैटरी से 80 गुना सस्ती है और उससे ज्यादा चल सकती है। यह ऑल-आयरन फ्लो बैटरी तकनीक से संबंधित है। बताया जा रहा है कि यह बैटरी की दुनिया में एक बड़ा बदलाव साबित हो सकता है। ऐसा नहीं है कि यह कोई नई तकनीक है लेकिन अपनी खामियों की वजह से इसे कभी भी लिथियम-आयन बैटरी से बेहतर नहीं माना गया था। हालांकि, अब वैज्ञानिकों ने इसमें मौजूद कमियों को दूर करके इसे इस्तेमाल के लायक बनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोहे वाली ये बैटरी दाम में काफी सस्ती और उम्र के मामले में लंबी चलेगी।

ऐसा नहीं है कि आयरन बैटरी के बारे में वैज्ञानिक अभी तक अनजान थे। इसके साथ समस्या थी कि इसे स्थिर नहीं किया जा पा रहा था। इस बैटरी के अंदर मौजूद लिक्विड में कुछ ऐसी गड़बड़ी थी कि बैटरी के अंदर कैमिकल लीक होने लगते थे। इसकी वजह से बैटरी बहुत जल्दी डेड हो जाती थी। यही वजह है कि अभी तक सिर्फ लिथियम-आयन बैटरी को ही इस्तेमाल के लायक माना जाता था क्योंकि वे ज्यादा स्थिर होती थीं।

चीनी वैज्ञानिकों ने दूर की समस्या: चीन की एकेडमी ऑफ साइंसेज के वैज्ञानिकों ने इस समस्या का बेहद रोचक और स्मार्ट हल निकाला। उन्होंने सिनर्जिस्टिक डिजाइन नाम से एख तरीका निकाला, जो कि बैटरी के अंदर एक सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। यह हानिकारक आयनों को लोहे के केंद्र तक पहुंचने ही नहीं देता। इस स्मार्ट इंजीनियरिंग के चलते बैटरी के खराब होने का सवाल ही खत्म हो गया। इस बैटरी को इस्तेमाल करने के ऐसे-ऐसे फायदे सामने आए कि इसे ऊर्जा का भविष्य तक कहा जा रहा है। दरअसल यह आयरन बैटरी को 6,000 से ज्यादा बार चार्ज और डिस्चार्ज होने के बावजूद परफॉर्मेंस में जस की तस बनी रही।

इतना ही नहीं, यह बैटरी पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि इसमें लोहे और पानी का इस्तेमाल होता है। ये पदार्थ सस्ते भी हैं और आसानी से मिल भी जाते हैं। यह तकनीक आम लोगों तक पहुंचती है, तो न सिर्फ आपके फोन और गाड़ियां सस्ती होंगी, बल्कि बड़े स्तर पर बिजली जमा करने का खर्च भी बहुत कम हो जाएगा।

न्यूज विंडो

सांसद निधि से दो जल टैंकर नपा को सौंपे, पेयजल आपूर्ति होगी मजबूत

नर्मदापुरम। नगर पालिका क्षेत्र में सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने अपनी सांसद निधि से दो आधुनिक जल टैंकर प्रदान किए। वार्ड 18 शांति नगर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद ने करीब 4 लाख रुपये की लागत वाले इन टैंकरों को नगर पालिका को समर्पित किया। इनका उपयोग उन क्षेत्रों में किया जाएगा जहां पाइपलाइन न होने से जल संकट बना रहता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद माया नारोलिया ने पूजन कर टैंकरों को हरी झंडी दिखाई। लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा और नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं का विस्तार जनता की प्राथमिकता है। इसके अलावा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीना वर्मा, मंडल अध्यक्ष रूपेश राजपूत, सागर शिवहरे, गोकुल पटेल, राजेश तिवारी, उमेश पटेल, शैलेंद्र दीक्षित, जिला उपाध्यक्ष राजेश गौर, राहुल सोलंकी, लक्ष्मण बेस, विकास नारोलिया, रोहित गौर, पार्षद दुर्गेश चौधरी, एल्डरमैन संतोष मीना, हीरामणि भावसार, ज्योति रैकवार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और वार्डवासी उपस्थित हुए।

मलासुर अभियान के तहत तीन वर्ष में सेप्टिक टैंक खाली कराना अनिवार्य

नर्मदापुरम। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 एवं सुपर 75 शहर के अंतर्गत नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम द्वारा मालासूर अभियान का संचालन किया जा रहा है जिसमें अपने घर प्रतिष्ठान के सेप्टिक टैंक को 3 साल के अंदर में सफाई किया जाना अनिवार्य है मालासूर अभियान अंतर्गत जिस भी टैंक की सफाई की जाएगी उसमें कुल राशि का 10त्न की छूट दी जाएगी। नपा के सतीष यादव ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले और कार्य प्रभारी अधिकारी दीक्षा तिवारी के निर्देशन में नगर में स्वच्छ सर्वेक्षण को गतिविधियां प्रारंभ हैं। नपा के सतीश यादव ने बताया कि नगर पालिका प्रशासन द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर के समस्त नागरिकों, दुकानदारों और शासकीय/ अर्द्धशासकीय कार्यालयों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें मानक निर्माण शासन के आदेशानुसार, सभी घरों, दुकानों और संस्थानों में निर्मित सेप्टिक टैंक का निर्माण आईएस 2470 (पार्ट 01-02) के मानकों के अनुसार होना अनिवार्य है। शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए खुले में शौच करना पूर्णत प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है, तो उन पर अर्थदंड लगाया जाएगा। एसआई मानक के अनुसार टैंक न बनाने पर 3,300 रु 2 से 3 वर्ष में टैंक खाली न करवाने पर 1,500 रुपए जुमार्ना होगा। खुले में शौच करते पाए जाने पर पहली बार 50 दूसरी बार 100 रुपए जुमार्ना होगा। शौचालय का गंदा पानी/ मल खुले में छोड़ने पर - 5000 का जुमार्ना लगेगा। सेप्टिक टैंक खाली कराने का शुल्क (उपयोग शुल्क) नगर पालिका ने टैंक खाली करने के लिए दरें भी निर्धारित की हैं जिसमें नगर पालिका द्वारा घरेलू ट्रैक्टर 1,000 प्रति ट्रिप, नगर पालिका ट्रैक्टर कार्मशियल 2,000 प्रति ट्रिप, नगरीय सीमा के बाहर 2,500 प्रति ट्रिप, प्राइवेट ऑपरेटर शुल्क 500 (सीमा के भीतर), और 1,000 (सीमा के बाहर) लगेगा।

22 हजार नागरिकों का समर्थन पत्र भी प्रशासन को सौंपा

सड़कों पर उतरे गौ भक्तों की हुंकार गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करो

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर की सड़कों पर आस्था, जनभावना और संकल्प का अद्भुत संगम देखने को मिला। गौ माता के सम्मान, सुरक्षा और उन्हें राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर हजारों नागरिक, संत, महिलाएं, युवा और विभिन्न संगठनों के लोग चिलचिलाती धूप के बीच सड़कों पर उतर आए। तेज गर्मी और तपती सड़कें भी श्रद्धालुओं के जोश को नहीं रोक सकीं। पूरा शहर गौ हत्या बंद हो, बूचड़खाने बंद हो, गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करो जैसे नारों से गूंज उठा। हर ओर भगवा ध्वज, तख्तियां और गौ-भक्ति का उत्साह दिखाई दिया। आंदोलन में शामिल लोगों का कहना था कि गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और सनातन परंपरा की प्रतीक हैं, इसलिए उन्हें सम्मान और सुरक्षा मिलना चाहिए।

नौलखी मंदिर से श्रीराम नाम संकीर्तन के साथ विशाल यात्रा प्रारंभ हुई। जुलूस नेहरू चौक, अंबेडकर चौक सहित प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ तहसील कार्यालय पहुंचा। यात्रा जैसे-जैसे आगे बढ़ी, राहगीर और व्यापारी भी इसमें शामिल होते गए, जिससे यह जुलूस जनसैलाब में बदल गया। रास्ते में अनेक स्थानों पर श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया, वहीं समाजसेवियों द्वारा शीतल जल, शरबत और

पेयजल की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का सबसे प्रभावशाली दृश्य तब सामने आया, जब 22 हजार हस्ताक्षरों से भरी पीले वस्त्र में बंधी पोटलियां संतों ने अपने सिर पर रखीं। इन पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम लिखे गए थे। यह प्रतीक था कि जनता की आवाज अब शासन तक पहुंचेगी। वेदांत आश्रम के महंत हरिहरदास जी महाराज, गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वरदास त्यागी जी, महामंडलेश्वर रामप्रिय दास महाराज सहित अन्य संत जुलूस में सबसे आगे चल रहे थे। उनके पीछे वेदांत आश्रम के नन्हे बटुक, फिर संत समाज और उसके बाद हजारों गौ-भक्त अनुशासित पंक्तियों में शामिल रहे।

भक्ति, जयकारों और गौ रथों से गूंजा नगर

जुलूस में दो गौ रथ शामिल किए गए, जिनमें गौ माता के भजन गूंजते रहे। ग्राम तिलातिली, कल्लाखेड़ी, मेवली और शाहपुर की भजन मंडलियों ने भी यात्रा में शामिल होकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। ढोल, मंजीरे और जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान रहा।

तपती सड़क पर दंडवत करते पहुंचे श्रद्धालु

काली माता मंदिर, बूढ़ापुरा से गौ रक्षा मंच के जिला अध्यक्ष विशाल वैष्णव दंडवत करते हुए तहसील ग्राउंड तक पहुंचे। तपती सड़क और झुलसाती धूप के बीच उनका यह संकल्प लोगों के लिए प्रेरणा का केंद्र बना रहा। तहसील कार्यालय पहुंचने पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन एसडीएम अनुभा जैन को सौंपा गया। साथ ही 22 हजार नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त समर्थन पत्र भी प्रशासन को दिए गए। गौ सेवा अभियान के पहले चरण में उमड़ा यह जनसमर्थन बता गया कि गौ माता के सम्मान और सुरक्षा को लेकर समाज में गहरी भावना है। गंजबासौदा का यह ऐतिहासिक जनजुलूस लंबे समय तक चर्चा का विषय रहेगा।

छिंदवाड़ा में सब्जी मंडी में अचानक भड़की आग

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

शहर के गुरैया रोड स्थित सब्जी मंडी में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की शुरुआत एक दुकान से हुई और देखते ही देखते पास की दुकानों तक फैलने लगी। इस दौरान ÷श्याम राव दौड़के एंड संस नाम की दुकान इसकी चपेट में आ गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

पशु-पक्षियों के लिए पेयजल सभी की जिम्मेदारी: मिश्रा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव और कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभा कक्ष से 'नीर पखेरू अभियान' का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों और अनुविभागीय अधिकारियों और पत्रकारों को एक-एक सकोरा भेंट कर अभियान की शुरुआत की। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अभियान की उपयोगिता बताते हुए कहा कि भीषण गर्मी के इस दौर में नर्मदापुरम जिला पशु-पक्षियों के लिए पेयजल सुनिश्चित करने की सामूहिक जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने जोर देकर कहा, यह अभियान पक्षियों के संरक्षण के साथ ही स्कूली बच्चों और आमजन में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जगाएगा। अभियान एक सकोरा, पानी पक्षियों की जिंदगानी÷ थीम पर चलेगा।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को

अनुविभागों में अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन और नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। साथ ही स्कूलों व शिक्षण संस्थानों में जल पात्र लगाने और आम नागरिकों, पत्रकारों से जन-आंदोलन का रूप देने की अपील की। विद्यार्थियों द्वारा 'वेस्ट से बेस्ट' के तहत बनाए घोंसलों व सकोरों की सराहना करते हुए उन्होंने संसाधनों के सदुपयोग पर बल दिया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, संयुक्त कलेक्टर व सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार, नीता कोरी सहित सभी अनुविभागीय व जिला अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

खाद-बीज व्यापारियों की मांगों के समर्थन में बाजार बंद रखकर जताया विरोध

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

खाद, बीज एवं कीटनाशक व्यापारियों के राष्ट्रीय संगठन ऑल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर 27 अप्रैल को देशभर में एक दिवसीय सांकेतिक बंद रखा गया। इसी क्रम में गंजबासौदा कृषि आदान विक्रेताओं संघ एवं संबंधित खाद-बीज व कीटनाशक व्यापारियों ने भी बंद का समर्थन करते हुए अपना कारोबार बंद रखा। व्यापारियों ने नगर में रैली निकालकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन स्थानीय एसडीएम अनुभा जैन को सौंपा। इस दौरान व्यापारियों ने सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की। संघ के पदाधिकारी अमित चौकसे ने बताया कि प्रमुख मांगों में उर्वरक पर डीलर मार्जिन बढ़ाया जाना, रिटेलर तक सीधे आपूर्ति व्यवस्था लागू करना, सैंपल फेल होने पर निर्माता कंपनियों पर कार्रवाई, बीज विक्रय योजना को कंपनियों तक सीमित रखना,

जबरन उत्पाद टैगिंग पर रोक तथा ई-टोकन प्रणाली को स्थगित करना शामिल है। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आगामी समय में अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया जा सकता है।

सहकारिता सदस्यता अभियान अनूपपुर-शहडोल-उमरिया में सुस्त

शहडोल। दोपहर मेट्रो

सहकारिता मंत्रालय द्वारा 15 अप्रैल से 15 मई तक सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का उद्देश्य उन किसानों और ग्रामीणों को सहकारी समितियों से जोड़ना है, जो अब तक इससे नहीं जुड़े हैं, विशेष रूप से वे लोग जिनके पास कृषि योग्य जमीन है।

हालांकि, ज़मीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। अनूपपुर, शहडोल और उमरिया–तीनों जिलों में अब तक सदस्यता अभियान की शुरुआत ही नहीं हो पाई है। न तो समितियों में कोई विशेष गतिविधि देखने को मिल रही है और न ही ग्रामीण स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें इस अभियान की कोई स्पष्ट जानकारी तक नहीं दी गई है। कई जगहों पर सहकारी समितियों के कार्यालयों में ताले लटके हुए हैं या कर्मचारी अनुपस्थित मिल रहे हैं। ऐसे में नए सदस्यों को जोड़ने का लक्ष्य अधर में लटकता नजर आ रहा है।

युवा कांग्रेस की उग्र आंदोलन की चेतावनी

किसान न्याय सत्याग्रह के 14वें दिन एसडीएम पहुंचीं धरना स्थल पर आश्वासन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

किसानों के हक में युवा कांग्रेस द्वारा पिछले 14 दिनों से चलाए जा रहे 'किसान न्याय सत्याग्रह' को सफलता मिली। एसडीएम अनुभा जैन स्वयं धरना स्थल पर पहुंचीं और आंदोलनरत कार्यकर्ताओं से चर्चा की।

इस दौरान प्रशासन ने किसान हितैषी मांगों पर सकारात्मक विचार करते हुए शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। धरना स्थल पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि यह आंदोलन अन्नदाता के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है, लेकिन यदि तय समय सीमा में मांगों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। युवा कांग्रेस ने प्रमुख मांगों में भारत अमेरिका ट्रेड डील को स्थानीय किसानों के हित में तत्काल रद्द करने, गेहूं, चना और मसूर की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर शुरू करने, त्योरा में शून्य प्रतिशत कटौती नीति समाप्त करने तथा मंडी में पेयजल, धर्मकांटों की संख्या बढ़ाने और तुलाई प्रक्रिया तेज करने की मांग रखी। इसके साथ ही मंडी परिसर में पुलिस चौकी और किसानों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री विद्या यादव, जिला पंचायत सदस्य दीक्षा लोधी, बहादुर सिंह दांगी, राजेश महेश्वरी, पार्षद सतीश कटारे, संतोष शर्मा, कल्याण सिंह नागोरी, दिनेश जैन, प्रशांत नायक, लखपत सिंह जादौन, बंटी गुर्जर, संतोष अहिरवार, रविंद्र रघुवंशी, खूब सिंह लोधी, राघवेंद्र शर्मा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पार्थ रघुवंशी, सौरभ दुबे, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस व युवा कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

जिला स्तरीय एन-कॉर्ड समिति की बैठक आयोजित

नशा मुक्ति के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाएं: कलेक्टर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एन-कॉर्ड समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नशे की तस्करी रोकने, जन जागरूकता और नशा मुक्ति केंद्रों की निगरानी पर विस्तृत चर्चा हुई।पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, संयुक्त कलेक्टर एवं सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर सरोज परिहार और नीता कोरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाने के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों के आसपास नशे के दुष्प्रभावों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाने के आदेश दिए। स्कूल-कॉलेजों का नियमित निरीक्षण कर तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने को कहा। परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण देवेंद्र प्रताप सिंह को एसडीएम और सीएमओ के साथ समन्वय कर शैक्षणिक संस्थानों के पास तंबाकू बिक्री रोकने के निर्देश दिए गए। उच्च शिक्षा विभाग को मासिक बैठकें आयोजित कर छात्रों को नशे के खतरों के बारे में जागरूक करने को कहा।

कलेक्टर ने पुलिस के साथ मिलकर समर्पित निरीक्षण टीम गठित करने और ड्रग इंस्पेक्टर को दवा दुकानों का नियमित चेक कर निषिद्ध दवाओं की बिना प्रिस्क्रिप्शन बिक्री रोकने के निर्देश दिए।

न्यूज विंडो

गौ सम्मान आह्वान अभियान: गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने की उठी मांग

तेंदूखेड़ा। तहसील में गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान के माध्यम से तहसील के विभिन्न गांवों एवं नगरों से बड़ी संख्या में गौ भक्तों ने सहभागिता करते हुए हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य गौ माता को राष्ट्रमाता अथवा राष्ट्र आराध्या के रूप में संवैधानिक मान्यता दिलाने तथा राज्य स्तर पर राज्यमाता/राज्य आराध्या घोषित कराने हेतु शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना रहा। इस अवसर पर गौ भक्तों द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम संबोधित प्रार्थना पत्र तहसीलदार , को सौंपा गया। यह प्रार्थना पत्र पूरे सम्मान के साथ पीले वस्त्र में लपेटकर गल्ला मंडी मैदान से एक शांतिपूर्ण एवं श्रद्धापूर्ण यात्रा के माध्यम से तहसील कार्यालय तक ले जाया गया। कार्यक्रम के दौरान जय गौ माता एवं जय गोपाल के भजनों से सारा वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजकों ने अपने संबोधन में कहा कि गौवंश भारतीय संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है, किंतु वर्तमान समय में इसकी स्थिति अत्यंत दयनीय होती जा रही है। गौवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं सुरक्षा के लिए सरकारी स्तर पर ठोस और प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गौ सेवकों ने एक स्वर में शासन से आग्रह किया कि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, जिससे देशभर में गौवंश को उचित सम्मान, सुरक्षा एवं संरक्षण मिल सके। यह अभियान देश की अनेक तहसीलों में एक साथ आयोजित किया गया, जिससे इसकी व्यापकता और जनसमर्थन स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

बच्चों की 'खोज यात्रा': पर्यटन स्थलों का कराया शैक्षणिक भ्रमण

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। शासकीय माध्यमिक शाला पढ़रिया के विद्यार्थियों को परीक्षा उपरांत शाला परिवार द्वारा शैक्षणिक भ्रमण (खोज यात्रा) कराया गया। इस दौरान बच्चों को विभिन्न स्थलों का दौरा कराकर व्यावहारिक जानकारी दी गई। भ्रमण की शुरुआत स्थानीय पुलिस थाने से हुई, जहां थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने विद्यार्थियों को पुलिस की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं रिकॉर्ड संधारण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके पश्चात बच्चों को सांगा नर्सरी ले जाया गया, जहां उन्हें फलदार पौधों को उगाने, उनकी देखभाल एवं संरक्षण की विधियों से अवगत कराया गया। साथ ही सागौन सहित अन्य वनस्पतियों के संरक्षण एवं संवर्धन की जानकारी भी दी गई। इसके बाद विद्यार्थियों ने प्राकृतिक स्थल टपका का भ्रमण किया, जहां प्राकृतिक गुफाएं, जल कुंड और घने जंगल को नजदीक से देखा। यहीं पर सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया, जिससे बच्चों में उत्साह और आपसी सहयोग की भावना बढ़ी। भ्रमण के अंतिम चरण में कलमली तालाब पहुंचकर बच्चों ने पक्षियों का अवलोकन किया तथा शेर स्मारक का भी दर्शन किया। इस पूरे कार्यक्रम में शिक्षक प्रशांत निगम, महेंद्र दीक्षित, सोनाली दुबे, राजेश शर्मा सहित अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान बच्चों ने नए अनुभव प्राप्त किए और सभी विद्यार्थी खुशी-खुशी अपने घर लौटे।

लेह-लद्दाख में तैनात बाग के अग्निवीर संदीप जमरा का दिल्ली में निधन

धार। जिले के ग्राम जामला में लेह-लद्दाख सीमा पर तैनात युवा अग्निवीर सैनिक संदीप जमरा का आकस्मिक निधन हो गया। संदीप छुट्टी मंजूर होने के बाद खुशी-खुशी घर लौट रहे तभी दिल्ली एयरपोर्ट पर अचानक तबीयत बिगड़ने से उनकी मौत हो गई। उनका पार्थिव शरीर मंगलवार तक पैतृक गांव पहुंचने की संभावना है। जानकारी के अनुसार ग्राम जामला निवासी संदीप जमरा वर्ष 2024 में अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी तैनाती लेह-लद्दाख सीमा पर थी। हाल ही में उनकी छुट्टियां स्वीकृत हुई थीं, जिसके बाद वे अपने परिवार से मिलने के लिए घर के लिए रवाना हुए थे। संदीप दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे थे और वहां से उन्हें इंदौर के लिए ट्रेन पकड़नी थी। इसी दौरान एयरपोर्ट पर उन्हें अचानक चक्कर आया और वे गिर पड़े। पुलिस ने तत्काल उन्हें दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। संदीप के पिता करण सिंह जमरा पैर में चोट के कारण दिल्ली नहीं जा सके, जबकि उनकी माता मड़ीबाई और अन्य रिश्तेदार सूचना मिलते ही दिल्ली पहुंचे। परिजन रोहित जमरा ने बताया कि दिल्ली के आर्मी अस्पताल में जवान संदीप के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

एक कॉलेज प्राचार्य सहित दो अधिकारियों को शोकॉज नोटिस

सागर. टीएल (समय सीमा) बैठक में अनुपस्थित एक कॉलेज प्राचार्य सहित दो अधिकारियों को शोकॉज नोटिस जारी किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में कड़ा रुख अपनाते हुए शासकीय दायित्वों के प्रति लापरवाही एवं बैठक से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने पर तीन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। साथ ही आदेशित किया कि उक्त अधिकारी स्वयं उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करें एवं कारण व्यक्त करें। जवाब प्राप्त नहीं हुआ अथवा जवाब संतोषजनक नहीं होने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। जिन्हें कारण बताओ नोटिस मिला उनमें अशोक मुकाती, कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई), सुरेश कुमार, पीडी एनएचएआई तथा डॉ. सरोज गुप्ता, प्राचार्य, पं. दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज शामिल हैं।

संयुक्त पत्रकार संगठनों ने एएसपी विजय डावर को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

पत्रकार पर जानलेवा हमले से फूटा आक्रोश, मामले की निष्पक्ष हो जांच

धार। दोपहर मेट्रो

शहर के व्यस्ततम पाटीदार चौराहे पर दैनिक दोपहर के संवाददाता अमरदीप सोलंकी पर हुए जानलेवा हमले ने पूरे जिले के पत्रकार जगत में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। घटना के विरोध में सोमवार को जिले के विभिन्न पत्रकार संगठन एक मंच पर आए और संयुक्त रूप से एडिशनल एसपी विजय डावर से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, प्रकरण में कठोर धाराएं जोड़ने, भूमाफिया-अपराधी गठजोड़ की निष्पक्ष जांच तथा जिले में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने पहुंचे पत्रकारों में धार जिला पत्रकार संघ, युवा पत्रकार संघ, आर्यावृत पत्रकार संघ, सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब एवं मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

संयुक्त पत्रकार संगठनों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि 25 अप्रैल शनिवार शाम लगभग 5:30 बजे शहर के प्रमुख पाटीदार चौराहे पर आरोपी लोकेश बाघेला उर्फ दबंग, विजय वर्मा एवं उनके अन्य साथियों ने शराब के नशे में धुत होकर पत्रकार अमरदीप सोलंकी का रास्ता रोका। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए बेसबॉल के डंडों, लात-घूंसों एवं हाथापाई से उन पर सामूहिक हमला कर दिया। हमले में अमरदीप सोलंकी के घुटने सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। पत्रकार संगठनों का कहना है कि यह सामान्य विवाद नहीं बल्कि पूरी तरह सुनियोजित, सामूहिक और जानलेवा हमला था, जिसका उद्देश्य एक निर्भीक पत्रकार को डराना और पत्रकारिता की आवाज दबाना है।

पत्रकारों ने ज्ञापन में पुलिस की शुरुआती कार्रवाई पर भी गंभीर नाराजगी जताई। आरोप लगाया गया कि घटना के बाद आरोपी इतने बेखौफ थे कि धार थाना कोतवाली में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में भी पत्रकारों एवं अन्य मीडिया साथियों से अभद्रता करते रहे, लेकिन इसके बावजूद पुलिस द्वारा मामले में केवल सामान्य और मामूली धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया।

संयुक्त पत्रकार संगठनों ने इसे पुलिस की सुस्त और नरम कार्यप्रणाली बताते हुए कहा कि इससे अपराधियों के हौसले और बुलंद हो रहे हैं। पत्रकारों ने मांग की कि प्रकरण में जानलेवा हमला, आपराधिक षड्यंत्र, सामूहिक हमला, धमकी एवं अन्य कठोर धाराएं तत्काल जोड़ी जाएं।

हमले के पीछे भूमाफिया-अपराधी गठजोड़ की आशंका

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि विगत कुछ समय से धार शहर में भूमाफियाओं और उनसे जुड़े असामाजिक तत्वों की गतिविधियां पुनः बढ़ती दिखाई दे रही हैं। पत्रकारों ने आशंका जताई कि शहर में सक्रिय भू-माफिया सिंडिकेट और उनके संरक्षण में पल रहे आपराधिक गिरोहों का मनोबल बढ़ा है तथा निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों को डराने-धमकाने के उद्देश्य से इस प्रकार के हमले कराए जा रहे हैं। पत्रकार प्रतिनिधियों ने कहा कि हाल ही में शहर में भू-माफियाओं के विरुद्ध लगातार खबरें प्रकाशित होने और जनता के हित में उठाई जा रही आवाजों के बाद यह हमला महज संयोग नहीं माना जा सकता। इसलिए मामले की जांच केवल मारपीट तक सीमित न रखकर इस पूरे भूमाफिया-अपराधी नेटवर्क की भूमिका की भी निष्पक्ष पड़ताल की जानी चाहिए।

गंगा आरती में बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

सागर। दोपहर मेट्रो

लाखा बंजारा झील किनारे की जा रही गंगा आरती नागरिकों में धार्मिक आध्यात्मिक चेतना लाने के साथ ही शहर की स्वच्छता सुंदरता के प्रति जागृति ला रही है। सोमवार को गंगा आरती में शामिल श्रद्धालु नागरिकों ने धर्मलाभ लेने के साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के लिए अपना फीडबैक दिया।

नागरिकों ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सागर को नंबर-1 बनाने के लिए ऑनलाइन लिंक के माध्यम से अपना फीडबैक दिया। अपने शहर की स्वच्छता से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देकर सागर को अव्वल बनाने का संकल्प लिया। सुंदर झील के किनारे यह दिव्य गंगा आरती सच में बनारस हरिद्वार गंगा घाट की याद दिलाती है। गंगा आरती के माध्यम से प्रति सोमवार सागर में जल गंगा संवर्धन अभियान, स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 एवं राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रमों आदि के उद्देश्य और महत्व की जानकारी देते हुए जनसमूह को जागरूक किया जा रहा है।

अवैध शराब का गोरखधंधा

हर दिन सैकड़ों लीटर शराब उत्पादन का लगाया आरोप

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिला अनूपपुर के कोतमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले डुमर कछार गांव में अवैध शराब निर्माण का बड़ा मामला सामने आ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इलाके में रोजाना लगभग 300 से 500 लीटर तक कच्ची शराब बनाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा मामला राजनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां लंबे समय से इस अवैध गतिविधि की जानकारी होने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हो पा रही है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे नेटवर्क को कुछ प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण प्रशासन की कार्रवाई सीमित रह जाती है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अनूपपुर में टोल वसूली पर सवाल

गड्ढों से भरी सड़क पर हादसे का खतरा टोल के बदले मूलभूत सुविधाएं तक नहीं

टूटी सड़कें, सुविधाओं का अभाव, जनता में बढ़ रहा आक्रोश

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में टोल टैक्स वसूली को लेकर जनता में नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि जब सड़क की हालत ही खराब है और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो आखिर टोल किस बात का लिया जा रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कनेक्टिंग रोड पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। वहीं नेशनल हाईवे की स्थिति भी चिंताजनक है—सड़क पर जगह-जगह दरारें हैं और कई स्थानों पर मवेशियों के मरने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है।

टोल प्लाजा पर मिलने वाली सुविधाओं को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वाहन चालकों का आरोप है कि गाड़ी खराब होने पर कोई मिस्त्री उपलब्ध नहीं होता। दुर्घटना की स्थिति में न तो एम्बुलेंस समय पर मिलती है और न ही टोइंग वाहन टॉयलेट की स्थिति बेहद खराब है, न साफ-सफाई है और न ही पीने की पानी की व्यवस्था यात्रियों के लिए रेस्ट रूम जैसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन, विशेष रूप से कलेक्टर अनूपपुर से मांग की है कि या तो सड़क और सुविधाओं में तत्काल सुधार किया जाए, या फिर टोल वसूली पर रोक लगाई जाए।

यूसीमास संस्था के विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उमरिया का प्रतिनिधित्व करेंगे

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले की प्रतिष्ठित आईपीएस इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल उमरिया द्वारा संचालित यूसीमास मेंटल अर्थमैटिक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आगामी 2 मई इंदौर में होगी। जिसमें मध्य प्रदेश के सभी जिलों से प्रतिभागी भाग लेंगे। उमरिया जिले से आईपीएस स्कूल के 19 विद्यार्थी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता इंदौर में शामिल होंगे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गणित के जटिल प्रश्न जैसे गुणा, भाग, जोड़, घटना आदि विद्यार्थियों को 8 मिनट में 200 प्रश्न हल करने होंगे। आगामी दिनों यह पता चलेगा कि कौन से जिले के बच्चे प्रतियोगिता में विनर होते हैं। ज्ञात होवे की यूसीमास उमरिया विगत 13 वर्षों के साथ बच्चों का अच्छा रिजल्ट समूचा मध्य प्रदेश में देता रहा है। संस्था के डायरेक्टर इंजीनियर वसीम खान ने बताया कि हर साल की भांति इस साल भी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता इंदौर में होने जा रही है वैद्य विगत दिनों हमारे विद्यार्थियों द्वारा स्टेट लेवल कंपटीशन, नेशनल लेवल कंपटीशन, इंटरनेशनल लेवल कंपटीशन में विजेता रहे, तथा हर वर्ष उमरिया जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। प्रतियोगिता 2 मई 2026 को स्पोर्ट्स कंपलेक्स इंदौर में होगी। तथा पुरस्कार वितरण 3 मई 2026 को रविंद्र नाट्य ग्रह इंदौर में संपन्न कराई जाएगी। उमरिया जिले से सम्मिलित होने वाले सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

मेट्रो एंकर

ग्राम खमरिया कला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

कृष्ण जन्मोत्सव में झूम उठे श्रद्धालु, भक्ति से सराबोर पंडाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र के ग्राम खमरिया कला में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्मोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर हो गया। कथा के दौरान जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल "जय श्रीकृष्ण" के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु झूम उठे।

कथा व्यास पं उमाशंकर शास्त्री ने अपने प्रवचनों में सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि अच्छे लोगों का साथ न मिले तो अच्छी पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए, क्योंकि श्रेष्ठ साहित्य भी मन और आत्मा को शुद्ध करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि सत्संग और सद्विचार ही जीवन को सही दिशा देते हैं। श्रीकृष्ण जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म और अत्याचार बढ़ा है, तब-तब भगवान ने अवतार लेकर

धर्म की स्थापना की है। मथुरा में कंस के अत्याचारों से व्यथित धरती की पुकार पर भगवान ने देवकी के गर्भ से श्रीकृष्ण के रूप में अवतार लिया और अत्याचारी कंस का वध कर धर्म की रक्षा की। जन्मोत्सव के प्रसंग के दौरान श्रद्धालु नाचते-गाते भगवान के जन्म की खुशियां मनाते नजर आए। पूरे पंडाल में भक्ति की धारा बहती रही और माहौल आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। कथा व्यास ने अपने उद्बोधन में यह भी कहा कि भागवत कथा सुनना मात्र पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके संदेशों को जीवन में उतारना ही सच्ची भक्ति है। उन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों का उल्लेख करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने राक्षसों का संहार कर समाज को भयमुक्त किया और धर्म की स्थापना की। कथा स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और भक्ति भाव के साथ कथा का श्रवण कर रहे हैं, जिससे पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक माहौल में रंगा नजर आ रहा है।

आईपीएल : ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में जबरदस्त टक्कर, युवा सितारों ने बढ़ाया रोमांच

नई दिल्ली, एजेंसी

झआईपीएल 2026 का सीजन अपने चरम पर पहुंचता जा रहा है और हर गुजरते मैच के साथ टूर्नामेंट का रोमांच और भी बढ़ता दिख रहा है। आधे से ज्यादा मुकाबले खेले जा चुके हैं, ऐसे में अब बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच व्यक्तिगत प्रदर्शन की जंग भी दिलचस्प मोड़ ले चुकी है। खास तौर पर ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ ने फैंस का उत्साह दोगुना कर दिया है।

इस समय ऑरेंज कैप अभिषेक शर्मा के सिर सजी हुई है। सन राइजर्स हैदराबाद के इस आक्रामक बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने 8 मैचों में 54.29 की शानदार औसत और 212.29 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 380 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से एक शतक और तीन अर्धशतक निकल चुके हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 135 रन रहा है।

वैभव सूर्यवंशी और केएल राहुल की कड़ी चुनौती–ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे स्थान पर वैभव सूर्यवंशी हैं, जो राजस्थान रॉयल के लिए खेलते हैं। उन्होंने 8 मैचों में 357 रन बनाए हैं, उनकी औसत 44.63 और स्ट्राइक रेट 234.86 रही है। उनके नाम भी एक शतक और दो अर्धशतक दर्ज हैं।

ईशान मलिंगा और जोफ्रा आर्चर आमने-सामने

पर्पल कैप की रेस में दूसरे स्थान पर इशान मलिंगा हैं, जो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हैं। उन्होंने भी 8 मैचों में 14 विकेट लिए हैं, लेकिन इकॉनमी और अन्य आंकड़ों के आधार पर वे दूसरे स्थान पर हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 32 रन देकर 4 विकेट है। तीसरे नंबर पर जोफ्रा आर्चर हैं, जो राजस्थान रॉयल का हिस्सा हैं। उन्होंने 8 मैचों में 13 विकेट लिए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 20 रन देकर 3 विकेट रहा है।

आगे और रोमांच बाकी

जैसे–जैसे आईपीएल 2026 आगे बढ़ेगा, ऑरेंज और पर्पल कैप की यह जंग और भी दिलचस्प होती जाएगी। कई खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और किसी भी मैच में समीकरण बदल सकते हैं। फैंस को अब आने वाले मुकाबलों में और भी ज्यादा रोमांच देखने को मिलने वाला है।

पर्पल कैप: अंशुल कंबोज

गेंदबाजी में पर्पल कैप की दौड़ भी कम रोमांचक नहीं है। अंशुल कंबोज, जो चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं, 8 मैचों में 14 विकेट लेकर टॉप पर हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 22 रन देकर 3 विकेट रहा है। उनकी सटीक लाइन–लेंथ और नियंत्रण ने उन्हें सबसे आगे पहुंचाया है।

अश्विन बोले-मेरे माता-पिता भी हैं वैभव के प्रशंसक

चेन्नई। पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन ने खुलासा किया है कि उनके माता-पिता भी राजस्थान रॉयल्स के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के प्रशंसक हैं। 15 साल की उम्र में ही वैभव को अपने खेल से क्रिकेट जगत में एक बड़ी पहचान मिल गयी है। आईपीएल में जिस प्रकार से वह आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं, उससे उनके प्रशंसकों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। अश्विन ने कहा कि उनके माता-पिता वैभव को खेलते देखने के लिए इंतजार भी करते हैं। अश्विन ने कहा कि वैभव की बल्लेबाजी देखने को लेकर उनका पूरा परिवार उत्साहित रहता है। सभी लोग केवल वैभव की बल्लेबाजी देखने के लिए राजस्थान रॉयल्स के मैच एक साथ बैठकर देखते हैं.

अश्विन ने कहा, ÷ मैं राजस्थान का हर मुकाबला अपनी मां और पापा के साथ देखता हूं. वे इस बल्लेबाज के प्रशंसक हैं। साथ ही कहा कि मैंने कभी अपने पापा को किसी और खिलाड़ी के लिए इतना प्रभावित होते नहीं देखा, जितना वह वैभव के लिए होते हैं। हर शॉट पर वह बहुत उत्साहित हो जाते हैं। वहीं मेरी मां भी इसका खेलने का अंदाज देखकर खुश होती हैं। इस उभरते बल्लेबाज ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ राजस्थान केवल 36 गेंद में ही शतक लगा दिया था। इस सत्र में उन्होंने 8 पारियों में कुल 357 रन बनाए हैं, उनका स्ट्राइक रेट अविश्वसनीय 234.86 रहा है। अब तक आईपीएल के इस 19वें सीजन में उन्होंने 31 चौके और 32 छक्के लगाए हैं।

विराट कोहली दिल्ली के खिलाफ सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

आरसीबी ने आईपीएल 2026 के एकतरफा मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को हराया। इस मैच में दिल्ली ने आरसीबी के खिलाफ तीसरा न्यूनतम स्कोर बनाया। वहीं, विराट कोहली दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान बड़ी उपलब्धि हासिल की। कोहली आईपीएल में दिल्ली के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। आरसीबी ने दिल्ली को नौ विकेट से हराया है। दिल्ली की बल्लेबाजी इस मैच में बेहद खराब रही और टीम महज 75 रन पर ही ऑलआउट हो गई।

खराब रही दिल्ली की बल्लेबाजी

सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में दिल्ली की टीम 16.3 ओवरों में सिर्फ 75 रन ही बना सकी। जवाब में आरसीबी ने 6.3 ओवर में एक विकेट खोकर 77 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया।

आरसीबी के विरुद्ध दिल्ली का तीसरा न्यूनतम स्कोर

दिल्ली ने आरसीबी के खिलाफ आईपीएल मे तीसरा न्यूनतम स्कोर बनाया। इस टीम के खिलाफ न्यूनतम स्कोर का रिकॉर्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम है। राजस्थान ने 2009 में 58 और 2023 में 59 रन बनाए थे।

आईपीएल में गेंद के लिहाज से दूसरा सबसे तेज सफल

आरसीबी ने महज 81 गेंदों पर दिल्ली के खिलाफ लक्ष्य हासिल किया। ये आईपीएल में गेंद शेष रहने के लिहाज से दूसरा सबसे सफल रन चेज है। इससे पहले 2008 में मुंबई इंडियंस ने केकेआर के खिलाफ 68 रनों का लक्ष्य 87 गेंद शेष रहते हासिल किया था। वहीं, कोच्चि ने 2021 में राजस्थान के खिलाफ 98 रनों का लक्ष्य 76 गेंदें शेष रहते प्राप्त किया था।

दिल्ली के खिलाफ 21वीं जीत

आरसीबी ने दिल्ली के खिलाफ 35 मैचों में 21वीं जीत दर्ज की है। आईपीएल में किसी टीम के खिलाफ सातवीं सबसे ज्यादा जीत है। मुंबई ने केकेआर के खिलाफ 36 मैचों में 25 मैच जीते हैं जो आईपीएल में किसी एक टीम के खिलाफ सर्वाधिक जीत है। आरसीबी के अलावा पांच अन्य टीमों ने भी अलग–अलग टीमों के खिलाफ 21–21 मैच जीते हैं।

तीन टीमों के खिलाफ विराट ने बनाए हैं सर्वाधिक रन

कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अब तक 1172 रन बनाए हैं जो इस टीम के खिलाफ किसी बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक है। कोहली तीन टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 1174 रन और पंजाब किंग्स के खिलाफ 1159 रन बनाए हैं। वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रोहित शर्मा ने 1161 रन बनाए हैं, जबकि पंजाब किंग्स के खिलाफ डेविड वॉर्नर ने 1134 रन बनाए हैं।

आईपीएल का हाफ-टाइम

आईपीएल 2026 के लीग चरण का आधा सफर खत्म हो गया है। अगर हम पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो फिर सभी 10 टीमों ने इस एक माह के हाफ राउंड में आधे से अधिक मैच खेल लिये हैं।शनिवार और रविवार को खेले गये डबल हेडर मुकाबले वाला दिन तो इस टूर्नामेंट के नजरिये से भारी उलटफेर वाला दिन कहा जा सकता है।एक ओर जहां शनिवार के दोनों मुकाबलों में गेंदबाजों की दुर्गति देखने को मिली वहीं रविवार को वह सब देखने को मिला जिसकी आस क्रिकेट के चाहने वालों को इस टूर्नामेंट में रहती है। मतलब सुपर ओवर का रोमांच। फिर सोमवार यानी कल दिल्ली के मैदान पर खेले गये मुकाबले में आईपीएल का बड़ा ट्विस्ट देखने को मिला जब कुल 150 रनों में जीत हार का फैसला हो गया। मजेदार बात यह कही जा सकती है कि मात्र 48 घंटो में ही बल्लेबाजों के बोलबाले वाले मैदान पर वह उलटफेर देखने को मिला जिसकी कल्पना किसी ने भी नहीं की थी। आईपीएल में 300 रनों की पारी की उम्मीद लगाने वालों के लिए इस मैच ने बचे हुए आईपीएल मैचों के लिए सभी जानकारों की उलझनें बढा दी हैं। सही मायने में पिछले 3 दिनों के उतार-चढ़ाव वाले मैचों ने यह जता दिया है कि आईपीएल के असल रोमांच अब आने वाला है।आज की स्थिति में पंजाब टॉप पर बनी हुई जबकि लखनऊ आखिरी पायदान पर खिसक गयी है। वहीं इस टूर्नामेंट की बड़ी चैंपियन टीमें चेन्नई,कोलकाता और मुंबई 6वीं 8वीं व 9वीं पोजीशन में हैं। अगर हम अब तक हुए मैचों और पॉइंट्स टेबल पर बारीक नजर डालें तो फिर यह कहा जा सकता है कि अभी तक बल्ले का ही बोलबाला आईपीएल में नजर आ रहा है। पंजाब, बेंगलुरु, हैदराबाद और राजस्थान का टॉप 4 में होना तो इन टीमों के बल्ले की ताकत का ही एहसास करवाता है। पिछले एक माह में हुए मैचों के बाद ज्यादातर टीमें 14 में से 8 मैच खेल चुकी हैं। भले ही पॉइंट्स टेबल में कोई भी टीम किसी भी जगह पर ठहरी हुई है लेकिन सच तो यह है कि आधिकारिक तौर पर कोई भी टीम टूर्नामेंट की चैंपियन रेस से न तो बाहर नहीं हुई है व न ही टॉप 4 के लिए क्वालीफाई हुई है। मतलब साफ है कि टूर्नामेंट के हाफ टाइम में किसी भी टीम के लिए इस टूर्नामेंट के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं। आईपीएल के रोमांच और उसके तमाम अंकगणित आने वाले मैचों की सुर्खियों में रहेंगे,क्योंकि दूसरे महीने में होने वाले मुकाबले सिर्फ जीत हार से हटकर नेट रनरेट के इर्दगिर्द भी होंगे। पिछले कुछ मैचों में जिस अंदाज में कई दिग्गज गेंदबाजों ने मैच का रुख पलटने में अपना अहम किरदार दर्ज किया है इसी वजह से हाफ टाइम के बाद होने वाले आईपीएल में तमाम उलटफेर की गुंजाइश नजर आने लगी है। आने वाले 30 दिनों में आईपीएल के ऊंठ किस करवट बैठेगा यह कहना आसान नहीं, लेकिन एक बात तय है कि अब तक हुए मैचों में कई टीमें पिछड़ गयी हैं, बावजूद इसके किसी भी टीम को अभी भी कमतर नहीं आंका जा सकता है। अब देखना यह है कि हाफ-टाइम के बाद होने वाले आईपीएल में कोई दिलचस्प ट्विस्ट आता है या नहीं। वैसे मेरे नजरिये में बचे हुए मैचों में बल्लेबाजों के किरदार से कहीं अधिक रोल में गेंदबाज रहने वाले हैं। शायद इसी वजह से आने वाले मुकाबलों में रोमांच और जीत हार के गणित और भी ज्यादा रोचक हो सकते हैं।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में, हॉलीवुड तक के सफर पर बोलीं-

काम पर ध्यान, एयरपोर्ट लुक्स के लिए टाइम नहीं

अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं। मेरे पास एयरपोर्ट लुक्स के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं।

मुंबई। बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है। गरम मसाला, ट्रैफिक सिग्नल और ओए लकी ! लकी ओए ! जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने समाचार एजेंसी आईएएनएस के साथ बिहार से निकलकर बॉलीवुड और फिर हॉलीवुड तक के सफर के बारे में खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और अनावश्यक बाहरी दिखावे पर।

अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा।

अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लड़ना आसान नहीं होता।

रूमर्ड रिलेशनशिप पर मुहर, श्रद्धा कपूर ने 'टैलेंटेड' कहकर की राहुल मोदी की तारीफ, सोशल मीडिया पोस्ट ने बढ़ाई चर्चाएं

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। लंबे समय से लेखक-निर्देशक राहुल मोदी के साथ उनके रिश्ते की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि दोनों ने कभी खुलकर इस रिश्ते की पुष्टि नहीं की, लेकिन हाल ही में श्रद्धा की सोशल मीडिया एक्टिविटी ने इन चर्चाओं को और हवा दे दी है।

श्रद्धा ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए राहुल मोदी के काम की खुलकर सराहना की। उन्होंने एक विज्ञापन की तारीफ करते हुए लिखा कि यह बेहतरीन अभिनय का परफेक्ट मिश्रण है। इसके साथ ही उन्होंने राहुल को 'प्रतिभाशाली' बताते हुए उनकी क्रिएटिविटी की तारीफ की।

दोनों के रिश्ते की अफवाहें 2024 की शुरुआत में तब तेज हुईं, जब उन्हें मुंबई में एक डिनर डेट के बाद साथ देखा गया। इसके बाद कई मौकों पर दोनों एक साथ नजर आए। खासतौर पर Anant Ambani and Radhika Merchant Pre-Wedding में उनकी मौजूदगी ने फैंस का ध्यान खींचा। इतना ही नहीं, पिछले साल जून में श्रद्धा ने एक सेल्फी साझा की थी, जिसमें वह राहुल के साथ नजर आईं।

मेट्रो बाजार

मध्यपूर्व में तनाव के बीच गोल्डमैन सैश ने कच्चे तेल के लिए फिर बढ़ाया अनुमान

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में तनाव के बीच अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही के लिए कच्चे तेल की औसत कीमतों के अनुमान में फिर एक बार बढ़ोतरी की है। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक का कहना है कि इस साल के अक्टूबर से दिसंबर अवधि में ब्रेंट क्रूड की कीमत औसत 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 83 डॉलर प्रति बैरल रह सकता है।

औसत कीमतों में संशोधन की वजह, मध्य पूर्व में लगातार तनाव बने रहने के कारण कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित रहना है। इससे पहले गोल्डमैन सैश ने 2026 की चौथी तिमाही में ब्रेट क्रूड का दाम औसत 80 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम औसत 75 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया था।

इन्वेस्टमेंट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि तनाव के चलते मध्य पूर्व से आने वाला लगभग 14.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल बाजार से बाहर हो गया है।

इसके परिणामस्वरूप अकेले अप्रैल माह में वैश्विक तेल भंडार में 11 मिलियन से 12 मिलियन बैरल प्रतिदिन की कमी आई है, जो ऊर्जा बाजारों के इतिहास में भंडार में सबसे तेज गिरावट में से एक है।

गोल्डमैन सैश ने वैश्विक तेल बाजार के संतुलन में आए तीव्र बदलाव पर रिपोर्ट में कहा कि कच्चा तेल बाजार 2025 में 1.8 मिलियन बैरल प्रति दिन के अधिशेष के उलट 2026 की दूसरी तिमाही में 9.6 मिलियन बैरल प्रति दिन के घाटे में चला गया है। गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि 2026 की दूसरी तिमाही में वैश्विक तेल मांग में 1.7 मिलियन बैरल प्रति दिन की गिरावट आएगी और पूरे वर्ष के लिए यह गिरावट केवल 0.1 मिलियन बैरल प्रति दिन होगी। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद, गोल्डमैन सैश ने 2026 की दूसरी तिमाही के लिए ब्रेंट के अपने पूर्वानुमान को औसत 99 डॉलर प्रति बैरल से घटाकर औसत 90 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई के अपने पूर्वानुमान को औसत 91 डॉलर प्रति बैरल से घटाकर औसत 87 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है।

यह गिरावट भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम में कमी और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से वितरण प्रवाह में सुधार को दर्शाती है। हालांकि, 2026 की तीसरी तिमाही के लिए ब्रेंट का पूर्वानुमान 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का 77 डॉलर प्रति बैरल पर अपरिवर्तित बना हुआ है।

चॉकलेट-आईसक्रीम पर महंगाई का साया, सप्लाई चेन में रुकावट, कई ब्रांड्स बढ़ाएंगे दाम

नई दिल्ली। गर्मी के मौसम में सबकी फेवरेट आईसक्रीम अब आपकी जेब पर भारी पड़ सकती है। ऐसा गर्मी या इसकी ज्यादा मार्केट डिमांड की वजह से नहीं बल्कि यूएस- ईरान वॉर की वजह से है। दरअसल यूएस और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण कई चीजों के दाम बढ़ गए हैं, जिनमें घरेलू गैस पेट्रोल डीजल तो है ही, अब और भी अन्य चीजों के नाम इसमें जुड़ गए हैं। इसी के चलते आईसक्रीम और चॉकलेट्स की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूएस-ईरान के बीच चल रहे तनाव का असर दुनियाभर में अलग- अलग चीजों की किल्लत के साथ देखने को मिल रहा है। इसी वजह से आइसक्रीम और चॉकलेट में इस्तेमाल होने वाली ऐसी चीजें जो मिडिल-ईस्ट से इम्पोर्ट की जाती हैं, उनकी लागत बढ़ गई है और मौसम के मुताबिक बाजार में डिमांड भी बढ़ गई है, जिसके चलते ही एक्सपोर्टर्स को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसी कंपनीज जो केवल नट्स, ड्राय फ्रूट्स और कोको पाउडर या रॉ कोको पर ही निर्भर हैं, उनका कहना है कि पिछले कुछ हफ्तों में ही कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है।

50 मेगावाट का दूसरा प्लांट भी शुरू: सूर्य की ऊर्जा से बढ़ा बिजली उत्पादन

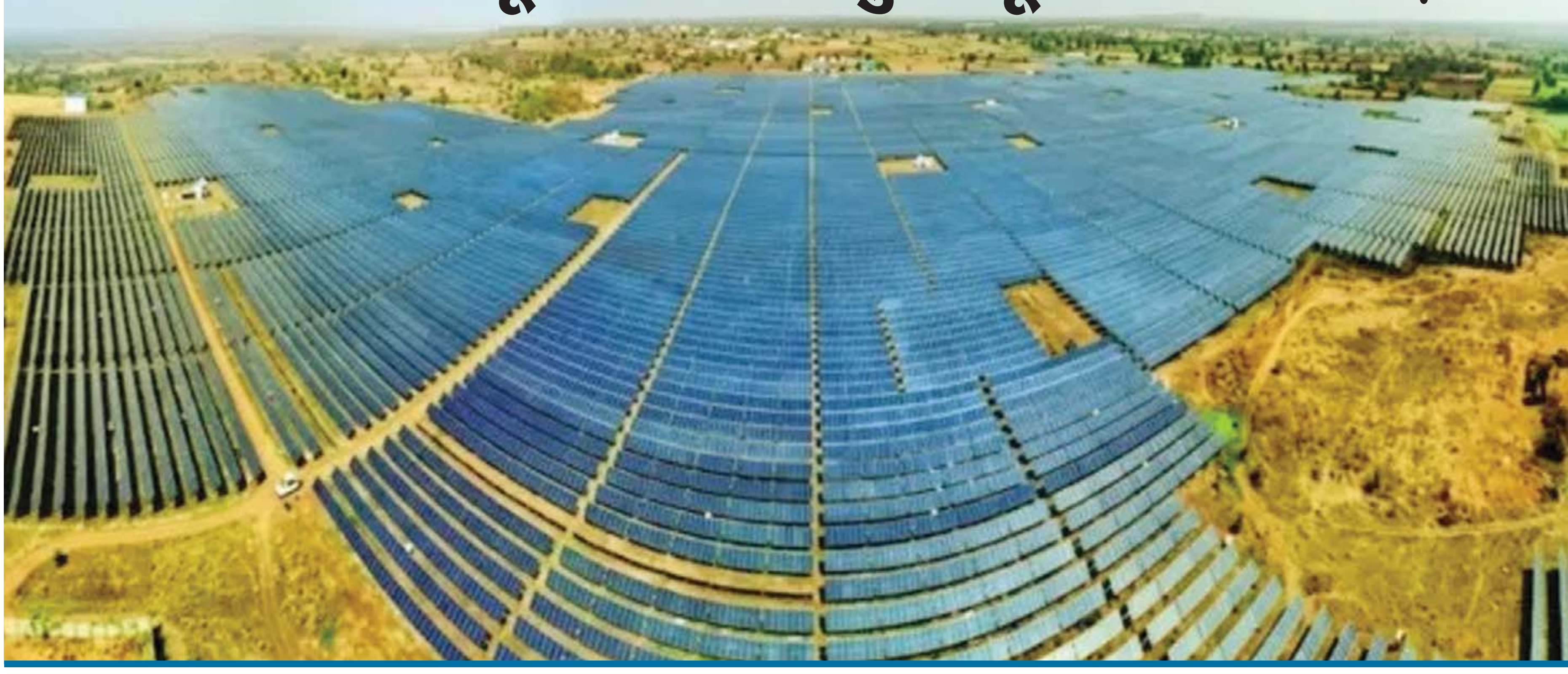

खंडवा। जिले के छिरवेल गांव में 50 मेगावाट क्षमता की दूसरी सोलर विद्युत परियोजना शुरू हो गई है। यहां निजी कंपनी द्वारा 100 मेगावाट क्षमता की परियोजना प्रस्तावित थी। इसमें से 50 मेगावाट की परियोजना से बिजली बनाई जा रही थी। अब दूसरे चरण में परियोजना से बिजली उत्पादन शुरू हो चुका है।

फैक्ट फाइल

- 50 मेगावाट का प्लांट खंडवा जिले के छिरवेल में शुरू हुआ
- 50 मेगावाट बिजली पहले से छिरवेल प्लांट से बन रही है
- 278 मेगावाट का ओंकारेश्वर जलाशय में फ्लोटिंग सोलर प्लांट
- 440 से ज्यादा जिले में लग चुके पीएम सूर्यघर योजना में प्लांट
- 7 से ज्यादा प्लांट कुसुम योजना में 24 मेगावाट के जिले में लग चुके
- 73 मेगावाट के निजी प्लांट से छनेरा के पास बनाई जा रही बिजली।

न्यूज विंडो

कोरबा-चांपा हाईवे पर हादसा: मां-बेटे सहित परिवार के तीन लोगों की मौत

कोरबा। कोरबा-चांपा राष्ट्रीय राजमार्ग पर फरसवानी के पास रविवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर फैला दी है।जानकारी के अनुसार काशीनगर निवासी सोनी परिवार चांपा से चौथिया कार्यक्रम में शामिल होकर देर रात करीब दो बजे कोरबा लौट रहा था। फरसवानी टोल नाका पार करते ही उनकी तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित हो गई। पहले वह डिवाइडर से टकराई और फिर सड़क किनारे खड़ी हाइवा में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।इस हादसे में मोंगरा सोनी (45 वर्ष), देवेंद्र सोनी (22 वर्ष) और ढाई वर्षीय प्रियांश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को चांपा के एनकेएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए बीडीएम अस्पताल भेजे गए हैं।बताया जा रहा है कि सोनी परिवार के दो भाई टेंट हाउस का व्यवसाय करते हैं। हादसे की खबर मिलते ही काशीनगर मोहल्ले में शोक का माहौल छा गया।

रेलवे ट्रैक पर धमाका:पटरी टूटी, 100 मीटर दूर तक लाश के चिथड़े मिले

पटियाला। पटियाला के राजपुरा में अंबाला-अमृतसर रेल फ्रेट कॉरिडोर लाइन पर सोमवार रात को ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट हुआ। यह घटना सोमवार रात करीब साढ़े 8 बजे राजपुरा-शंभू रेलवे स्टेशन के नजदीक हुई। सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ, पंजाब पुलिस और अन्य जांच एजेंसियां घटनास्थल पर पहुंच गईं। मौके पर पुलिस को एक डेडबॉडी मिली। जिसके शरीर के चिथड़े उड़े हुए थे। पटियाला के स्स्क्क वरूण शर्मा ने कहा कि यही व्यक्ति यहां रेलवे ट्रैक पर बम फिट कर रहा था लेकिन वह फट गया। जिससे उसकी भी मौत हो गई। मरने वाला व्यक्ति जगरूप सिंह तरनतारन के पंजवार गांव का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल के पास से 2 मोटरसाइकिल बरामद हुई हैं, जो यूपी और हरियाणा नंबर की बताई जा रही हैं। पुलिस इनकी पड़ताल करने में जुटी हुई है। जहां घटना हुई है, वह हरियाणा के पास लगता सुनसान इलाका है।

जयमाला के दौरान फोटो विवाद में दूल्हे के भाई की हत्या, छह घायल

महराजगंज। जयमाला के दौरान फोटो खिंचाने को लेकर वर-वधू पक्ष भिड़ गए। विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जिसमें दूल्हे के भाई सहित छह लोगों को चोटें आईं। दूल्हे के भाई की हालत गंभीर देख उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से गोरखपुर रेफर कर दिया गया। रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। इससे आक्रोशित स्वजन ने दूल्हन के घर के सामने की सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। रात चड़लहा के दीपेंद्र की बरात सोनौली कोतवाली के कैथवलिया उर्फ बरगदही में आई थी। जयमाला के दौरान फोटो खिंचवाने को लेकर वर और कन्या पक्ष में कहासुनी हो गई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। इस घटना में कन्या पक्ष से दीनानाथ प्रजापति, रामजन, नोहर व लाल साहेब और वर पक्ष से मनोज प्रजापति व दूल्हे के भाई विनोद प्रजापति घायल हो गए।

विनोद प्रजापति को गंभीर चोट आई थी। उन्हें पहले नौतनवा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने गोरखपुर रेफर कर दिया। स्वजन के अनुसार, रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। पंजाब में सिलाई का काम करने वाले विनोद प्रजापति छोटे भाई दीपेंद्र की शादी में शामिल होने के लिए करीब चार महीने घर लौटे थे। यहां आने के बाद वह आनलाइन शापिंग एप के लिए डिलीवरी का कार्य कर रहे थे।

पश्चिम बंगाल: अबकी बार जीत-हार का पूरा समीकरण मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण के इर्द-गिर्द

एसआईआर गणित: बीजेपी को मिलेंगी 150-170 सीट

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 294 सीटों पर दो चरणों में चुनाव हो रहे हैं। कल दूसरे चरण की वोटिंग है। सरकार बनाने के लिए 148 सीटें चाहिए। मुकाबला TMC और BJP के बीच है। अबकी जीत-हार का पूरा समीकरण SIR के इर्द-गिर्द है। BJP और SIR का डर चला तो TMC आगे नजर आ रही है।

- **BJP के लिए:** SIR में कुल 91 लाख नाम कटे हैं। इसमें 47 लाख मृत लोगों के हैं। अगर इन्हें आधार बनाकर सीटों का गणित समझें तो इस बार BJP को बहुमत मिलता नजर आ रहा है। उसे 150 से 170 सीटें मिल सकती हैं। वहीं TMC 110-140 सीटों पर सिमट सकती है। इसी गणित के आधार पर BJP के नेता बंगाल में सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं।
- **TMC के लिए:** पश्चिम बंगाल के वोटर्स में SIR का डर TMC के पक्ष में जा सकता है। असल में ग्राउंड पर ऐसी अफवाह फैली है कि वोटर लिस्ट से नाम कटने के बाद नागरिकता भी जा सकती है। जिनके नाम वोटर लिस्ट में बच गए, उन्होंने इसी डर से हर कीमत पर 100% वोट डालने की कोशिश की। इस बंपर वोटिंग का फायदा TMC को मिल सकता है। पार्टी 160 से 190 सीटें जीत सकती है।
- **कांग्रेस के लिए:** एक फैक्टर ऐसा भी है, जिससे कांग्रेस फायदे में नजर आ रही है। TMC सरकार से लोग नाराज हैं। भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी के साथ एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर मजबूत है। ये नाराजगी मुस्लिम बहुल इलाकों में भी है, लेकिन ये वोटर BJP के साथ नहीं जाएगा। ऐसे में मुर्शिदाबाद और मालदा की सीटों पर इसका फायदा कांग्रेस को मिल सकता है। कांग्रेस 1-3 सीटों पर मजबूत हो रही है।

एसआईआर डर: टीएमसी जीतेगी 160-190 सीटें

47 लाख वोटर्स डिलीट होने का फायदा BJP को

पिछले दो चुनावों में TMC को करीब 2.86 करोड़ और BJP को 2.26 करोड़ वोट मिले थे। यानी TMC लगभग 60 लाख वोट से आगे थी। अब SIR में करीब 47 लाख मृत लोगों के नाम लिस्ट से हट गए हैं। माना जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर TMC के समर्थक थे। अगर ऐसा है, तो TMC का वोट बैंक घटेगा और BJP को सीधा फायदा होगा।' असली खेल उन सीटों पर है, जहां बहुत कम अंतर से जीत-हार होती है। 2021 विधानसभा चुनाव के लिहाज से देखें, तो करीब 30 सीटों पर 1000 से कम वोटों से जीत-हार तय हुई थी।

नाम कटने से नागरिकता छिनने का डर, TMC को फायदा

राज्य में SIR में ज्यादा नाम ग्रामीण इलाकों में कटे। वोटर लिस्ट से नाम कटने पर चुनाव आयोग ने सिर्फ इतना कहा था कि मामला सिर्फ SIR से जुड़ा है। BJP ने इसे घुसपैठिया शब्द से जोड़ दिया। इससे लोगों में मन में नागरिकता जाने का डर है। बांग्लादेशी बताकर देश से बाहर कर दिया जाएगा।' 'ये खौफ भी है कि उनका ड्राइविंग लाइसेंस और राशन कार्ड छिन जाएगा। फिर वो बंगाल से बाहर जाकर कैसे काम करेंगे।'

डर से आजादी और दूसरे राज्यों के नेता बूथ पर सक्रिय

चुनाव में डर का माहौल है। मालदा, मुर्शिदाबाद और संदेशखाली में पैरा मिलिट्री फोर्सेज पोलिंग बूथ के साथ-साथ घरों के बाहर गलियों में भी तैनात हैं। लोग बिना डरे पोलिंग बूथ जा रहे हैं। ये फैक्टर BJP के पक्ष में है। वहीं, हर बूथ पर यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और असम समेत BJP सरकार वाले राज्यों के मंत्री, विधायक और सांसदों की टीम काम कर रही है, ताकि जीत उनके पक्ष में हो।

'TMC के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी के साथ भ्रष्टाचार नेगेटिव पॉइंट हैं, लेकिन अब अस्मिता के सामने ये मुद्दे दूसरे और तीसरे नंबर पर चले गए हैं। ऐसे में लगता है कि TMC को 160 से 190 सीटें और BJP को ज्यादा से ज्यादा 80 से 110 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस महज 1 से 3 सीटें ही जीत सकेगी।'

SIR की वजह से वोट प्रतिशत पिछली बार से बढ़ा है। अबकी BJP 85 सीटों से ज्यादा जीतेगी, लेकिन बहुमत नहीं मिल पाएगा। TMC को 180 से ज्यादा सीटें मिल सकती हैं, लेकिन ये 2021 से कम होंगी।'

दो ट्रकों की टक्कर के बाद आग ड्राइवर-क्लीनर जिंदा जले

निवाड़ी, दोपहर मेट्रो

निवाड़ी शहर के बड़े तालाब के पास सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 12:30 बजे सड़क हादसे में दो ट्रकों की टक्कर के बाद आग लग गई। घटना में ट्रक चालक और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, एक ट्राला सड़क किनारे खड़ा था, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों में तुरंत आग लग गई। हादसे में नरसिंहगढ़ (दमोह) से पारीक्षा (झांसी) जा रहे ट्रक के चालक राजा अहिरवार (32) और एक अन्य क्लीनर की जान चली गई। बताया जा रहा है कि दोनों मृतक आपस में जीजा-साले थे।-निवाड़ी कोतवाली टीआई बलजीत सिंह ने बताया कि टक्कर के बाद पीछे वाले ट्रक के चालक और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई थी। शव ट्रक में फंसे रह गए थे, जिन्हें निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

ओपन एआई कंपनी से 12 लाख करोड़ का हर्जाना मांग रहे मस्क, अदालत पहुंचा केस

वाशिंगटन, एजेंसी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जिसकी पहुंच आज घर-घर तक हो चुकी है, उसके भविष्य से जुड़ा एक अहम फैसला जल्द ही अब अमेरिका की एक अदालत में होने वाला है। दरअसल, टेस्ला और स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने कुछ समय पहले ही एआई मॉडल चैटजीपीटी को बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी एआई कंपनियों में शुमार ओपनएआई और इसके अधिकारियों के खिलाफ अदालत में एक कानूनी मुकदमा दायर किया था। इसमें मस्क ने आरोप लगाया था कि एआई को दुनियाभर में पहुंचाने का वादा करने

वाली इस कंपनी के अधिकारियों ने न सिर्फ मस्क को अंधेरे में रखा, बल्कि ओपनएआई के असल गैर-लाभकारी मिशन रहने के मकसद के साथ भी दगाबाजी की और इसे लाभ के लिए चलाना शुरू कर दिया।

कहा जा रहा है कि इस मामले के कोर्ट पहुंचने का समय भी अपने आप में काफी दिलचस्प है, क्योंकि ओपनएआई ने अपना जबरदस्त आईपीओ शेयर बाजार में लाने की तैयारी कर ली थी। ऐसे में अगर एलन मस्क इस केस को जीत लेते हैं तो ओपनएआई, इसके संस्थापक ऑल्टमैन और प्रमुख ग्रेग ब्रॉकमैन को अपने पद तक गंवाने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं ओपनएआई का आने वाला आईपीओ भी दांव पर लग सकता है। मस्क ने इस मामले में ओपनएआई से 134 अरब डॉलर (करीब 12 लाख करोड़ रुपये) का हर्जाना मांगा है।एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन के बीच विवाद के कई गहरे वैचारिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत कारण हैं। हालांकि, इसके केंद्र में है- 'ओपनएआई'। एक कंपनी जिसकी स्थापना एलन मस्क और सैम ऑल्टमैन दोनों के साथ मिलकर करने की बातें सामने आती हैं।

राम राज्य केवल राजा के कारण नहीं होता, प्रजा के कारण भी होता है:भागवत

नागपुर। अयोध्या में श्रीराम जन्म स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला एवं धर्मध्वजा के प्रतिष्ठापन को लेकर प्रतिभाओं का सम्मान एवं अभिनंदन का कार्यक्रम नागपुर के रेशमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक समिती द्वारा संपन्न हुआ। इस दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि राम राज्य केवल राजा के कारण नहीं होता।संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर श्री राम जी की इच्छा से बना। जब तक सबकी लकड़ी नहीं लगती गोवर्धन नहीं उठता। उठता तो भगवान की करांगुली पर ही है। परंतु उनकी करांगुली तब तक काम नहीं करती जब तक बाकी लोग लकड़ी नहीं लगाते। मंदिर भी ऐसे ही बना। सनातन धर्म का उत्थान होने के लिए भारतवर्ष का उत्थान अवश्यंभावी है।

मेट्रो एंकर

पेट्रोलियम मंत्री का बड़ा कबूलनामा, भयानक ऊर्जा संकट में हमारा पड़ोसी देश

पाकिस्तान में 7 दिन का कच्चा तेल बचा, 'लॉकडाउन' की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

वैश्विक मंचों पर खुद को 'मध्यस्थ' के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान के सामने अब एक गंभीर घरेलू संकट खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के ऊर्जा और वित्त मंत्रालय की ओर से एक ऐसा बयान सामने आया है, जिसने पूरे देश में खलबली मचा दी है। सरकार ने यह स्वीकार किया है कि देश के पास कच्चे तेल का रिजर्व केवल 5-7 दिनों का ही बचा है, जबकि डीजल और एलपीजी जैसे अन्य ईंधनों का स्टॉक भी कुछ ही हफ्तों में खत्म हो सकता है।

पाकिस्तान के केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने ईरान-अमेरिका संघर्ष से जुड़ी मौजूदा भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच देश के ईंधन भंडार को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। समा टीवी के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध जल्द खत्म होता नहीं दिख रहा है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी अनिश्चितता पैदा हो रही है।

मंत्री ने कार्यक्रम के दौरान एक चौंकाने वाला खुलासा किया कि पाकिस्तान का ऊर्जा तंत्र इस समय बाहरी झटकों के प्रति बेहद संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि देश के पास वर्तमान में केवल 5 से 7 दिनों का कच्चा तेल मौजूद है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान के पास एक दिन का भी पेट्रोल रिजर्व (भंडार) नहीं है। वहीं डीजल का स्टॉक 26-28 दिन और स्टॉक केवल 15 दिनों के लिए पर्याप्त है।

संकट की जड़, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का बंद होना

पाकिस्तान के इस अचानक उपजे ऊर्जा संकट का सीधा तार मध्य पूर्व में चल रहे भू-राजनीतिक तनावों से जुड़ा है। ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के कारण ईरान ने होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए लगभग बंद कर दिया है। दुनिया का लगभग 20% कच्चा तेल इसी संकरे समुद्री रास्ते से गुजरता है। पाकिस्तान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए मुख्य रूप से खाड़ी देशों (सऊदी अरब, कुवैत आदि) से होने वाले आयात पर निर्भर है। रास्ता बंद होने और जहाजों की कमी से सप्लाई चेन पूरी तरह चरमरा गई है।

कोविड काल जैसी पाबंदियों की वापसी की तैयारी

ईंधन बचाने के लिए शाहबाज शरीफ सरकार बेहद सख्त कदम उठाने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने के लिए देश में लॉकडाउन जैसे नियम लागू किए जा सकते हैं। कॉरपोरेट और सरकारी दफ्तरों में कर्मचारियों को घर से काम करने का निर्देश दिया जा सकता है, ताकि सड़कों पर गाड़ियां कम चलें। स्कूलों और कॉलेजों को बंद करके शिक्षा को फिर से ऑनलाइन मोड में शिफ्ट करने की योजना है। लोगों से निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करने और कार शेयर करने की अपील की जा रही है।पाकिस्तान पहले से ही भयंकर आर्थिक संकट और महंगाई से जूझ रहा है। इस ऊर्जा संकट के कारण सरकार अब पेट्रोल-डीजल की कीमतों की समीक्षा 15 दिनों की जगह हर हफ्ते कर सकती है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564